Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022

घटती घटना

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 238 शनिवार ,02 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

इतना याद रखें कि अन्याय करने वाला अन्याय सहने वाले की अपेक्षा ज्यादा दुर्दशा में रहता है।

-प्लेटो-

नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार

कहा - भावनाएं आहत हुईं,TV पर जाकर पूरे देश से मांगें माफी

नई दिल्ली , 01 जुलाई 2022। पैगंबर पर टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी से निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा को कड़ी फटकार लगाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने नूपुर शर्मा को ञ्ङ्क पर जाकर पूरे देश से भी माफी मांगने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि, उदयपुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए उनका दिया बयान ही जिम्मेदार है, जहां एक निर्दोष दर्जी की हत्या कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा के वकील को इस मामले में संबंधित हाईकोर्ट के पास जाने का सुझाव दिया है। बता दें कि नूपुर शर्मा के खिलाफ दिल्ली, कोलकाता, बिहार से लेकर पुणे तक कई मामले दर्ज हैं। पैगम्बर मोहम्मद को लेकर नूपुर शर्मा की टिप्पणी पर स्ष्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा- नूपुर की टिप्पणी ने देश भर में लोगो की भावनाओं को भड़का दिया है। आज जो कुछ देश में हो रहा है, उसके लिए वो जिम्मेदार है।

सुप्रीम कोर्ट ने कही ये चार बातें

नूपुर की टिप्पणी सबकी सुरक्षा के लिए खतरा, उदयपुर में जो हुआ उसके लिए नूपुर शर्मा जिम्मेदार, उन्होंने देश भर में भावनाओं को भड़काया

क्या था बयान

एक टीवी डिबेट के दौरान नुपुर शर्मा ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर एक बयान दिया था। इस बयान को विवादित मानकर कई लोग इसका विरोध करने लगे। ये विरोध इस कदर हुआ कि यह हिंसा में बदल गया। नूपुर शर्मा के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने, द्वेष फैलाने और दूसरे धर्म के खिलाफ टिप्पणी करने के आरोप में देश के कई इलाकों में एफआईआर भी दर्ज हुई थी।

कौन है नूपुर शर्मा बीजेपी से निष्कासित प्रवक्ता नुपुर शर्मा ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन की है। इसके् बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से स्र्क्क की पढ़ाई भी की है। इसके बाद उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से लॉ में मास्टर्स की डिग्री ली। साल 2015 में बीजेपी ने उन्हें दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली विधानसभा सीट से उम्मीदवार के तौर पर भी उतारा था। लेकिन वह इस चुनाव में हार गई थीं ।

द्रौपदी मुर्मू पर तो हम भी राजी हो जाते पर भाजपा ने बताया ही नहीं : ममता बनर्जी

कोलकाता ,01 जुलाई 2022। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अहम टिप्पणी की है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि यदि एनडीए की ओर से पहले ही द्रौपदी मुर्मू की उम्मीदवारी के बारे में बता दिया जाता तो हम भी राजी हो जाते और सर्वसम्मति से उन्हें चुना जा सकता था। ममता बनर्जी ने द्रौपदी मुर्मू की जीत की संभावनाएं ज्यादा होने की बात भी स्वीकार की। उन्होंने कहा, भाजपा ने हमारा सुझाव तो लिया था, लेकिन अपने कैंडिडेट के बारे में कुछ नहीं बताया था। बता दें कि टीएमसी से ही इस्तीफा देने वाले यशवंत सिन्हा को विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति चुनाव के लिए संयुक्त उम्मीदवार घोषित किया गया है।

ममता बनर्जी ने कहा, यदि हमें पता होता कि वे आदिवासी महिला या फिर अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाना चाहते हैं तो फिर हम भी विचार करते। हमारे मन में आदिवासी समुदाय के लोगों के प्रति बहुत सम्मान है और वह तो एक महिला भी हैं। उन्होंने कहा कि एपीजे अबुल कलाम के वक्त भी हुआ था। उन्होंने कहा कि हमारा 16 से 17 पार्टियों का गठबंधन है और हम अकेले ही पीछे नहीं हट सकते हैं और भी लोग हैं। वहीं अब ममता बनर्जी की टिप्पणी पर कांग्रेस का भी रिएक्शन आया है।

संक्षिप्त समाचार

संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से, अग्निपथ, महंगाई जैसे मुद्दों पर मचेगा हंगामा

नई दिल्ली, 01 जुलाई 2022। संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरु होगा जो 13 अगस्त तक चलेगा। सत्र के दौरान सेना भर्ती के लिए लागू अग्निपथ योजना, महंगाई जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने विपक्ष ने तैयारी शुरु कर दी है। सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयक भी सरकार की ओर से पेश किए जाएंगे।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्ष 2022 के लिए संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरू होगा। विज्ञप्ति के अनुसार संसद के दोनों सदनों की बैठक 18 जुलाई से होने की संभावना है और सत्र 13 अगस्त को समाप्त होगा।

पुलिस का बड़ा एक्शन, मौलवी गिरफ्तार

बूंदी, 01 जुलाई 2022। उदयपुर में नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट की वजह से कन्हैयालाल की हत्या के बाद राजस्थान पुलिस हरकत में आ गई है। पुलिस की मौजूदगी में जहर उगलने वाले मौलवी को 28 दिन बाद गिरफ्तार किया गया है। आरोपी मौलवी ने नूपुर शर्मा की ओर से पैगंबर पर की गई टिप्पणी के बाद भड़काऊ भाषण दिया था।

गर्भपात की गोली खाने से नाबालिग लड़की की मौत, झोलाछाप डॉक्टर ने दी थी दवाई

नई दिल्ली ,01 जुलाई 2022। तमिलनाडु में एक झोलाछाप डॉक्टर से गर्भपात की गोली लेकर खाने की वजह से 15 साल की लड़की की मौत हो गई। घटना तिरुवन्नामलाई जिले के चेंगम के पास हुई। वहीं, उस शख्स की भी पहचान हो गई है जिसने लड़की को गर्भवती किया था। शख्स का नाम एस मुरुगन के रूप में हुए हैं जिसकी उम्र 27 साल है।

शख्स रोजाना युवती को स्कूल छोड़ने जाता था और इसी दौरान दोनों के बीच संबंध बन गए। लड़की हाल ही में गर्भवती हुई थी। लड़की के गर्भवती होने के बाद मुरुगन ने अपने दोस्त प्रमुख की मदद से एक ऐसे व्यक्ति से गर्भपात की गोली लिया जो झोलाछाप डॉक्टर निकला।

शख्स ने लड़की को स्कूल ले जाने के बहाने घर से ले गया और रास्ते में उसे गर्भपात की गोली खिला दी। गोली खिलाने के बाद जब दोनों स्कूल की ओर जाने लगे तो लड़की अचाकन बेहोश होकर गिर पड़ी। आनन-फानन में मुरुगन बच्ची को सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

एकनाथ शिंदे सहित 16 विधायकों के विधानसभा में घुसने पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची शिवसेना

मुंबई, 01 जुलाई 2022। महाराष्ट्र में शिवसेना की सरकार में उलटफेर होने के बाद भी वहां राजनीति गतिरोध जारी है। शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे भाजपा के साथ मिल कर सरकार बनाने में कामयाब रहे और उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। इसके बाद भी सियासी कलह थमी नहीं है और एक बार फिर से विवाद सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर पहुंचा है। शिवसेना के चीफ व्हिप सुनील प्रभु ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक 15 विधायकों के सदन में घुसने पर रोक लगाने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि जब तक इन विधायकों को मिले अयोग्यता के नोटिस पर फैसला नहीं होता है, तब इन्हें एंट्री नहीं दी जा सकती। यही नहीं उनकी ओर से विधानसभा में बहुमत परीक्षण पर भी रोक लगाने की मांग की गई है।

महाराष्ट्र झांकी है, BMC और 2024 बाकी हैं, पवार के साथ 'खेला' की तैयारी

शिवसेना की अर्जी में कहा गया है कि एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों को डिप्टी स्पीकर की ओर से अयोग्यता का नोटिस भेजा गया था। अभी इस पर कोई फैसला नहीं हो सका है। ऐसे में उस पर कोई निर्णय होने से पहले इन लोगों की विधानसभा में एंट्री नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा ये लोग विधायक के तौर पर बहुमत परीक्षण में मतदान का भी अधिकार नहीं रखते हैं। इसी तर्क के साथ सुनील प्रभु ने कहा है कि फिलहाल महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत परीक्षण पर भी रोक होनी चाहिए। बता दें कि एकनाथ शिंदे ने गुरुवार शाम को ही महाराष्ट्र के सीएम पद की शपथ ली थी और भाजपा के नेता देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम बन गए हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र 2 और 3 जुलाई को

गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र 2 और 3 जुलाई को बुलाया गया है। इस दौरान पहले सदन के स्पीकर का चुनाव होगा और फिर शिंदे सरकार बहुमत साबित करेगी। सरकार की तैयारी किस स्तर पर है इसे इस बात से समझा जा सकता है कि आज शाम को भाजपा विधायक दल की मीटिंग होने वाली है। यह बैठक विधानसभा स्पीकर के चुनाव को लेकर ही बुलाई गई है और इसमें स्पीकर के उम्मीदवार पर फैसला हो सकता है। स्पीकर के चुनाव के बाद ही सदन में उनकी देख-रेख में बहुमत परीक्षण की प्रक्रिया होगी। लेकिन शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर फैसले तक इस पर रोक लगाने की मांग कर रही है। देखना होगा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस पर क्या फैसला आता है।

सत्ता जाते ही मिला शरद पवार को आयकर विभाग का नोटिस

मुंबई, 01 जुलाई 2022। महाराष्ट्र में सियासी घटनाक्रम के मुख्य चेहरे एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे ही रहे। हालांकि, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार की भूमिका पर भी सभी की नजरें थी, लेकिन गुरुवार को शिंदे की मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ के साथ ही इस उम्मीद का भी अंत हो गया। पवार के दावों से लेकर वादे तक सभी असफल साबित हुए। हालात ऐसे बिगड़े कि सत्ता जाते ही आयकर विभाग का नोटिस भी आ गया और अब शिंदे के सहारे भारतीय जनता पार्टी की नजरें राकंपा प्रमुख के गढ़ सतारा पर भी टिक गई हैं।

23 जून, गुरुवार को पवार ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहां अपने 'अनुभव' के आधार पर संकट से उबरने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा था, 'एमवीए ने सीएम उद्धव ठाकरे का समर्थन करने का फैसला किया है। मुझे भरोसा है कि एक बार विधायक मुंबई लौट आएंगे, तो हालात बदल जाएंगे।' उन्होंने कहा था, 'हमने महाराष्ट्र में ऐसे हालत कई बार देखें हैं। मेरे अनुभव से मैं यह कह सकता हूं कि हम इस संकट को हरा देंगे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में यह सरकार आराम से चलेगी।

पहले सत्ता अब नोटिस

सत्ता परिवर्तन के अगले ही दिन पवार के पास आयकर विभाग का नोटिस पहुंच गया। साल 2004, 2009, 2014 और 2020 में चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामों की जांच के बाद नोटिस जारी किए गए। हालांकि, राकंपा प्रमुख ने इसे 'लव लैटर' बताया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना भी साधा और कहा कि एजेंसी कुछ ही लोगों की जानकारी जुटा रही है।

26 जून, रविवार को भी पवार ने कहा कि हम अंत समय तक ठाकरे का समर्थन करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि बागी विधायकों के नए गठबंधन की कोई खास महत्व नहीं है। शुरुआत में संकट को शिवसेना का आंतरिक मामला बताने वाले पवार लगातार एनसीपी की बैठकें करते रहे। खबरें आई थी कि उन्होंने दिल्ली का दौरा भी किया है।

उद्धव को इस्तीफे से रोका!

मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि ठाकरे इससे पहले भी दो बार इस्तीफा देने का मन बना चुके थे, लेकिन पवार ने उन्हें ऐसा नहीं करने के लिए मना लिया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, एक नेता ने बताया, 'पवार ने उन्हें रुकने और जल्दबाजी में कोई भी फैसला नहीं लेने के लिए कहा। यह भी बताया गया कि महाविकास अघाड़ी भाजपा के खिलाफ मिलकर लड़ेगी।

शिंदे के जरिए गढ़ पर भी फोकस

साल 2014 के बाद से राज्य में सीएम पद के लिए भाजपा ने ब्राह्मण चेहरे यानी मौजूदा उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तवज्जो दी। लेकिन अब पार्टी ने शिवसैनिक और मराठा शिंदे को बड़ा पद दिया है। खास बात है कि इसके साथ ही पार्टी की नजर में 32 फीसदी मराठा वोट भी हैं। खास बात यह भी है कि शिंदे पश्चिम महाराष्ट्र के सतारा से आते हैं और यह पवार का घरेलू मैदान है और इसे वरिष्ठ नेता का गढ़ भी माना जा सकता है।

सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया बम,अदालत में धमाके से हड़कंप, ब्लास्ट में दारोगा समेत कई लोग घायल..!

पटना, 01 जुलाई 2022। राजधानी से बड़ी खबर सामने आई है. सिविल कोर्ट में ब्लास्ट हुआ है. टेबल पर रखे बम में विस्फोट हुआ है. ब्लास्ट से कोर्ट में हड़कंप मच गया. ये बम पटेल छात्रावास से बरामद किया गया था, जिसे पुलिस सबूत के तौर पर कोर्ट में पेशी में लेकर पहुंची थी, जहां ब्लास्ट हो गया. बता दें कि ये धमाका बिहार के पटना के सिविल कोर्ट में ब्लास्ट हुआ है. धमाके में कदमकुआं थाने के दरोगा उमाकांत राय गंभीर रूप से घायल हुए हैं. इसके साथ ही इस घटना में कई अन्य लोगों के घायल होने की सूचना मिल रही है. घायलों का इलाज पटना के पीएमसीएच में किया जा रहा है. इस हादसे में जज साहब भी जैसे तैसे कोर्ट रूम से बाहर अपने चैंबर में पहुंचे. धमाका इतना तेज था कि पास खड़े कदमकुआं थाने के इंस्पेक्टर उमाकांत राय घायल हो गए. बताया जा रहा है कि सिविल कोर्ट में सबूत के तौर पर अदालती कार्रवाई के लिए कदमकुआं थाने के दारोगा बम लेकर कोर्ट पहुंचे थे.

डॉक्टर डे पर महिला डॉक्टर गिरफ्तारः लोकायुक्त ने 6 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ा, प्रसव कराने के लिए मांगी थी घूस

धार, 01 जुलाई 2022। डॉक्टरों को धरती का भगवान कहा जाता है। कोरोना काल में डॉक्टर्स ने दिन-रात मरीजों की सेवा की। लेकिन इसी पेशे से जुड़े कुछ डॉक्टरों ने पेशे को बदनाम कर करे हैं। ताजा मामला धार जिले से आया है। सरदारपुर में लोकायुक्त की टीम ने एक सरकारी महिला डॉक्टर को 6 हजार रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया है। एक तरफ शुक्रवार को पूरे देश में डॉक्टर-डे मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर धार जिले सरदारपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्त्री रोग एवं प्रसूति विशेषज्ञ डाक्टर संगीता पाटीदार रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार हुई है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम बीमरोड निवासी महेश डामोर से डॉक्टर संगीता पाटीदार ने उनके चचेरे भाई की पत्नी की डिलीवरी और ऑपरेशन के नाम पर 8 हजार की रिश्वत मांगी थी। फरियादी महेश द्वारा दो हजार रुपए की रिश्वत 30 जून को दे दी थी। वहीं बाकी के छह हजार रुपए एक जुलाई को देना तय हुआ था। लेकिन फरियादी ने इसकी शिकायत लोकायुक्त से कर दी। जिसके बाद टीम ने उसे केमिकल लगे नोट देकर भेजा। आज जैसे ही फरियादी से डॉक्टर संगीता पाटीदार ने अपने निवास पर छह हजार रुपए की रिश्वत ली। वैसे ही लोकायुक्त इंदौर की टीम ने डॉक्टर को रंगे हाथ पकड़ लिया।

अखिलेश यादव समेत पिता के खिलाफ दर्ज हुआ मामला,बोरवेल खुला छोड़ने पर हुई एफआईआर

छतरपुर, 01 जुलाई 2022। खुले बोरवेल की वजह से लगातार बच्चे इसमें गिर कर घटना के शिकार हो रहे हैं जिसके बाद अब प्रशासन इस मामले में सख्त हो गया है। कल बुधवार मध्यप्रदेश के छतरपुर में एक पांच साल का बच्चा दीपेंद्र 30 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया था। इस घटना के बाद NDRF और सेना की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर बच्चे को 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया था।

इस मामले में अब राज्य सरकार ने सख्ती बरतते हुए बच्चे दीपेंद्र के पिता अखिलेश यादव और उसके दादा रमेश यादव के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। ख़बरों के मुताबिक़ तोरछा रोड थाने में उन दोनों के खिलाफ धारा 308 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। ये कार्रवाई इसलिए की गई है ताकि सभी को इससे सबक मिल सके और इसके बाद कोई बच्चा खुले बोरवेल का शिकार न हो जाए।

घटना के बाद गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बयान दिया था कि अगर कोई बोरवेल खुले पाए जाते हैं तो खुदाई कराने वाले संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और इस पूरी प्रक्रिया में जो भी खर्चा होगा वो उसी से वसूल किया जाएगा।

केदारनाथ दर्शन करने वाले यात्रियों की संख्या में आई कमी

रुद्रप्रयाग 1 जुलाई 2022। भारी बारिश के चलते केदारनाथ यात्रा में लगातार कमी आने लगी है। एक ओर सड़कों में मुश्किलें पेश करनी पड़ रही है वहीं पहाड़ों पर बरसात में संभावित खतरों को देखते हुए यात्रा में कमी आने लगी है। गुरुवार को केदारनाथ धाम में इस सीजन में सबसे कम यात्रियों ने दर्शन किए। गुरुवार को केदारनाथ में महज 4345 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए। यह संख्या इस सीजन की सबसे कम संख्या है। वहीं केदारनाथ में अब तक कुल 831600 तीर्थयात्रियों ने दर्शन कर लिए हैं। हालांकि यह अपने आप में रिकार्ड है। अभी बरसात के बाद सिम्बर और अक्टूबर महीने की यात्रा में यात्री संख्या में फिर से उछाल आने की पूरी संभावना है।

आज से शुरू हुई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

नई दिल्ली, 01 जुलाई 2022। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल आषाढ़ मास की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ रथयात्रा निकाली जाती है। इस साल रथ यात्रा का आरंभ 01 जुलाई से और समापन 12 जुलाई को होगा।

कहा जाता है कि हर साल आषाढ़ मास की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के घर जाते हैं। ओडिशा के पुरी शहर में स्थित जगन्नाथ मंदिर में हर साल धूमधाम के साथ रथयात्रा निकाली जाती है। जगन्नाथ मंदिर से तीन सजेधजे रथ रवाना होते हैं। इनमें सबसे आगे बलराज जी का रथ, बीच में बहन सुभद्रा का रथ और सबसे पीछे जगन्नाथ प्रभु का रथ होता है।

पद्म पुराण के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की बहन ने एक बार नगर देखने की इच्छा जाहिर की थी। तब जगन्नाथ जी और बलभद्र अपनी बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाने निकल पड़े। इस दौरान वे मौसी के घर गुंडिचा भी गए और सात दिन ठहरे। तभी से यहां पर रथयात्रा निकालने की परंपरा है।

रथ यात्रा 2022 शेड्यूल-

01 जुलाई 2022 (शुक्रवार)- रथ यात्रा प्रारंभ

05 जुलाई (मंगलवार)- हेरा पंचमी (पहले पांच दिन गुंडिचा मंदिर में वास करते हैं)

08 जुलाई (शुक्रवार)- संध्या दर्शन (मान्यता है कि इस दिन भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने से 10 साल श्रीहरि की पूजा के समान पुण्य मिलता है)

09 जुलाई (शनिवार)- बहुदा यात्रा (भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व बहन सुभद्रा की घर वापसी)

10 जुलाई (रविवार)- सुनाबेसा (जगन्नाथ मंदिर लौटने के बाद भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहन के साथ शाही रूप लेते हैं)

11 जुलाई (सोमवार)- आधर पना (आषाढ़ शुक्ल द्वादशी पर दिव्य रथों पर एक विशेष पेय अर्पित किया जाता है। इसे पना कहते हैं।)

12 जुलाई (मंगलवार)- नीलाद्री बीजे (नीलाद्री बीजे जगन्नाथ यात्रा का सबसे दिलचस्प अनुष्ठान है।)

सिलेंडर हुआ सस्ता

नई दिल्ली, 01 जुलाई 2022। चौतरफा महंगाई की मार झेल रहे आम जनता के लिएजुलाई का महीना बड़ी राहत की खबर लेकर आया है। देश की प्रमुख गैस कंपनियों ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में 198 रुपए की कटौती की है। हालांकि ये कटौती 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई है, जबकि 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडरों के दामों में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत में कमी के बाद, राष्ट्रीय राजधानी में 19 किलो के रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 2,219 रुपये से घटकर 2,021 रुपये हो गई है। पिछले महीने जून में कमर्शियल सिलेंडर की दरों में 135 रुपये की कमी की गई थी, जबकि मई में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को दो बढ़ी हुई कीमत का सामना करना पड़ा था। मई में घरेलू सिलेंडर के रेट में पहली बार 7 मई को 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई। इसके बाद रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 19 मई को फिर से 3.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई। दिल्ली में 14.2 किलो के बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत 1,003 रुपये है। मुंबई में एक घरेलू रसोई सिलेंडर की कीमत 1002.5 रुपये है। कोलकाता में इसकी कीमत 1,029 रुपये और चेन्नई में 1,018 रुपये है।

ऐसे चेक करें गैस सिलेंडर की कीमत

एलपीजी सिलेंडर की कीमत चेक करने के लिए आपको सरकारी तेल कंपनी आईओसी की वेबसाइट पर जाना होगा। यहां कंपनियां हर महीने नए रेट जारी करती हैं। (https://iocl.com/Products/IndaneGas.asp&) इस लिंक पर आप अपने शहर के गैस सिलेंडर की कीमत देख सकते हैं।

संपादकीय

ये नजरिया महिला विरोधी

गर्भावस्था की वजह से महिलाओं को जीवन में अवसरों से वंचित होते रहना पड़ा है। अगर समाज अब अपने को आधुनिक कहता है, तो उसे अपना यह नजरिया अवश्य ही बदलना चाहिए।

बुनियादी सवाल है। अगर महिलाएं सृष्टि को आगे बढ़ाने में अधिक बड़ी भूमिका निभाती हैं- इस क्रम में वे अधिक कष्ट सहती हैं, तो इसका बदले उन्हें पुरस्कृत किया जाना चाहिए या दंडित? पारंपरिक समाज का नजरिया दंडित करने का रहा है। गर्भावस्था एक ऐसी सूरत है, जिसकी वजह से महिलाओं को जीवन के कई क्षेत्रों और अवसरों से वंचित होते रहना पड़ा है। लेकिन अगर समाज अब अपने को आधुनिक कहता है और अधिक मानवीय होने का दावा करता है, तो उसे अपना यह नजरिया अवश्य ही बदलना चाहिए। इंडियन बैंक ने हाल में जो दिशा-निर्देश जारी किया, उसमें ऐसे बदलाव के संकेत नहीं मिले। इसलिए समाज के जागरूक तबकों में उसको लेकर नाराजगी पैदा हुई है। दिल्ली महिला आयोग ने उचित ही इंडियन बैंक को इस मामले में नोटिस जारी किया है। न इंडियन बैंक ने हाल ही में एक सर्कुलर में जारी किया था। उसमें बैंक में भर्ती की नई नीति बताई गई थी।

बैंक के सर्कुलर में कहा गया था- बारह सप्ताह या उससे अधिक की गर्भवती महिला को तब तक अस्थायी रूप से नौकरी पाने के अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, जब तक कि वह फिट नहीं हो जाती। महिला उम्मीदवार को प्रसव की तारीख के छह सप्ताह बाद फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए फिर से जांच की जानी चाहिए और रजिस्टर्ड डॉक्टर से उसे फिटनेस सर्टिफिकेट प्राप्त करना चाहिए। जब इस सर्कुलर की चौतरफा आलोचना हुई, तब इंडियन बैंक ने सफाई दी। उसने कहा कि मौजूदा दिशा-निर्देशों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और किसी महिला उम्मीदवार को रोजगार से वंचित नहीं किया गया है। बैंक ने कहा कि वह महिला कर्मचारियों की देखभाल और सशक्तीकरण को सर्वोपरि महत्व देता है। बैंक ने यह जानकारी भी दी कि उसके कार्यबल में 29 फीसदी महिलाएं हैं। लेकिन महिला अधिकार कार्यकर्ताओँ ने ध्यान दिलाया था कि इस तरह के दिशा-निर्देश से गर्भवती महिलाओं की सेवा में भर्ती में देरी होगी और इसके बाद वे अपनी वरीयता खो देंगी। ये आशंका गलत नहीं है। बेहतर होता, बैंक ऐसा सर्कुलर जारी नहीं करता। बहरहाल, सुधार का रास्ता उसके सामने था। संभवतः उसने उसे अपना लिया है।

भारतीय लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं,हो रही सर्वव्यापी निंदा

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़,

हिंसा ,विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक काले धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है।भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट है।वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्टीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्टीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंद्य देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्टभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी।

आवश्यकता यह है कि हमें राष्टवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्टवाद हो या समावेशी राष्टवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्टवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्टीय नागरिकता एवं भारत राष्ट की विकास की अवधारणा को राष्टवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलन्दशहर उत्तरप्रदेश

धर्म का अर्थ

आधुनिक युग में हम देखते हैं कि धर्म की परिभाषा ही परिवर्तित हो गई है। आज व्यक्ति बाह्य आडंबरों में पूर्ण रुप से मग्न हो गया है, किंतु उसे सच्चे धर्म पर चलने के लिए इन ढकोसलों से विमुख होना पड़ेगा, तथा मन वचन और कर्म की सच्चाई पर बल देना होगा।

जब व्यक्ति का अंतः करण साफ होगा, तभी वह सच्चा धार्मिक कहलाएगा। मानवता का धर्म ही सर्वश्रेष्ठ धर्म है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को आदर और सम्मान दिया जाता है ।धर्म से ही व्यक्ति के अंतः करण में दया, ममता और करुणा उपजती है। जो व्यक्ति धार्मिक नहीं है वह कभी भी दूसरों के दुख में दुखी नहीं हो सकता है। दीन -दुखियों के अश्रु नहीं पोंछ सकता है। जब हम धार्मिक होते हैं, तब हमारा स्वभाव एक संत की मानिंद हो जाता है। जिसे किसी से भी बैर अथवा द्वेष की भावना नहीं होती है ,जिसका अंतःकरण भागीरथी के समान पवित्र होता है ।जो दीन दुखियों के दुख हरने के लिए सदैव तत्पर रहता है ।

भारत विभिन्न धर्मों का देश

कहा जाता है कि हमारा देश भारत विभिन्न धर्मों ,संप्रदायों भाषा एवं बोलियों का देश है। यहाँ विभिन्नता में एकता है ।सर्वधर्म समभाव की भावना है यही हमारे देश को अन्य देशों से अलग बनाती है। यहाँ प्रत्येक धर्म एवं संप्रदाय का सम्मान किया जाता है। किसी भी धर्म को हीन दृष्टि से नहीं देखा जाता है। आज भी ऐसे हिंदू व्यक्ति हैं ,जो ईद पर मुस्लिमों से गले मिलते हैं और ऐसे भी मुसलमान हैं जो होली- दीपावली जैसे त्योहार पर हिंदुओं के घर मिष्ठान वितरण करते हैं। अपने देश की यह परंपरा हमें एकता का संदेश देती हुई प्रतीत होती है। चाहे हम विभिन्न धर्म एवं संप्रदाय से जुड़े हों परंतु हमारी आत्मा एक है ।हमारा ईश्वर एक है। उसके नाम ही भिन्न-भिन्न हैं ।मुस्लिम धर्म में उसे हम खुदा कह देते हैं, तो सिख धर्म में वही गुरु बन जाता है।

मानवता में निहित सभी धर्म ग्रंथों का सार

यदि हम बारीकी से संसार के विभिन्न धर्म ग्रंथों का अवलोकन करें, तो हमें ज्ञात होगा कि सभी धर्म मनुष्य को मानवता के मार्ग की ओर ले जाते हैं। कोई भी धर्म आपस में द्वेष रखने और वैमनस्य का भाव रखने का संदेश नहीं देता है। प्रत्येक धर्म ग्रंथ चाहे वह -कुरान हो, बाइबल हो अथवा गीता सभी धर्मों का निचोड़ यही है कि ÷मनुष्य उस ईश्वर की संतान है, और श्रेष्ठ कर्म करने हेतु संसार में आता है अतः एक -दूसरे से बैर का भाव रखना निष्प्रयोजन है।

प्रस्फुटित हो आध्यात्मिकता का रवि

आज के युग में हम भौतिकवादिता की ओर बढ़ रहे हैं, तथा आध्यात्मिक ज्ञान का रवि जैसे अस्त ही होता जा रहा है ।आज हमें आवश्यकता है।आध्यात्मिक विचारों का प्रचार-प्रसार करने की, मन -वचन तथा कर्म में शुचिता का समावेश करने की, अपने अंतःकरण में पावन विचारों को लाने की, प्रत्येक व्यक्ति को उचित मान-सम्मान प्रदान करने की।

यदि हम धर्म के मार्ग का अनुसरण करते हैं,तो हमें शुद्ध विचारों का समावेश अपने अंतःकरण में अवश्य ही करना होगा। प्रत्येक व्यक्ति से प्रेम करना होगा,यहाँ तक कि जीव -जंतुओं के प्रति भी दया और सहानुभूति रखनी होगी ।प्रकृति से भी प्रेम करना होगा,तभी हम सही अर्थ में धार्मिक हैं।

निष्कर्ष

सभी धर्मों के विषय में जानने के पश्चात हम इसी निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि कोई भी धर्म मनुष्य को आपस में बैर रखने की शिक्षा नहीं देता है ।यह तो हम लोगों की मानसिकता है, जो एक -दूसरे के मध्य शत्रुता पैदा करती है। तो आओ इस दुश्मनी को यहीं विराम दें ,और प्रेम का अखंड दीप जलाएँ, ताकि प्रेम की ज्योति से आने वाली पीढ़ियाँ जगमगाती रहें। भारत को विश्वगुरु बनाएँ और विश्व बंधुत्व की भावना का हृदय में संचार करें, ताकि हमारा देश एक सशक्त और सर्वशक्तिमान देख के रूप में विश्व के पटल पर उभर कर आए।

हम धर्म के माध्यम से मानवता को जोड़ने का कार्य करें। धर्म की शक्ति को पहचानें। धर्म के सच्चे अर्थ को आत्मसात करें।

ये मौसम रंगीन शमा

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

लहलहाती,
तन को जलाती गर्मी को मात देने जब आसमान से झमाझम बारिश बरसती है तब नीरस मन की कोरी किताब से भी रोमांटिक पंक्तियाँ जन्म लेने लगती है। कौन अछूता रह सकता है इस भीगे-भीगे मौसम की आह्लादित शीतलता से।

बारिश की छम-छम बूँदों की बौछार से लयबद्ध रव सुनाई देते ही खिलखिलाती तुम्हारी हंसी की सरगम याद आती है, भीग जाता हूँ बिना बारिश छुए भी जब काली अंधेरी बरसती रात में तुम्हारी बेपनाह याद आती है। जहाँ जाती हो सराबोर हर शै हो जाती है, साथ में हंसी की बारिश लिए जो फिरती हो।

बारिश के साथ हर इंसान के एहसास जुड़े होते है। किसी भी क्रिया को उपमा देनी हो तो बारिश से जुड़े हर अल्फाज़ कवियों के पसंदीदा होते है। तभी तो किसी भी श्रृंगार रस में बारिश सिरमौर है।

पहली बारिश हर इंसान के भीतर पड़े कितने एहसास जगा जाती है। किसीको दूर बसी प्रियतमा की याद आती है, तो किसीको बूँदाबाँदी की अठखेलियों पर मौसम रंगीन होते ही गर्म भुट्टे की लज्ज़त याद आ जाती है। बारिश् की फुहार में भीगते गर्मा गर्म भुट्ट की लज्ज़त लेते सड़क पर टहलना रोमांच से कम नहीं। साथ में यार दोस्त या महबूब हो तो आहाआआ क्या बात सोने पे सुहागा।

ग्रीष्म की गर्मी से झुलसते झुर्रियों में बदलती वसुधा के सीने पर जब आसमान के आँचल से अमृत सी शीत धारा के पहले आमद पर मानों जन्मों की प्यासी वसुधा अपने कण-कण में बूँदों को ऐसे सहजती है जैसे बिरहा की मारी कोई प्रेमिका प्रेमी की साँस-साँस समाती है। मिट्टी की सोंधी सी खुशबू नासिका को तरबतर कर जाती है, फिर धुँआधार बरसती बारिश जब जमकर बरसती है तब बच्चों से लेकर बड़े बुढ़े हर कोई छत पर चढ़कर बारिश में भीगने का आस्वाद लेते तप्त झुलसते, पसीजते तन को आह्लादित करते झूम उठते है।

काले घनेरे बादलों को देख मोर अपने पंख फैलाते नृत्य करते आह्वान देते है, तो तड़ीत की गड़गड़ाहट संग ताल मिलाती कायनात की हर शै में ताज़गी भर जाती है। बारिश की नमी से नहाते खलिहानों की मिट्टी में अलसाए पड़े बीज अंगड़ाई लेकर पनपते खिल उठते है और चंद दिनों में धानी सी फ़सलें किसानों की किस्मत बदल देती है। हरसू व्याप्त हरियाली आँखों को ठंडक पहुँचाती है। तभी तो भले ही हर मौसम कुदरत की ओर से अनमोल उपहार है पर बरसात का मौसम हर मन अज़ीज है।

छिपाया था उसमें

पूनम शर्मा स्नेहिल
बिहार

भीगी पलकों से
आंसू को हटाया था उसने,
जाने कौन सा दर्द
खुद में छुपाया था उसने।
ठहर गया देखकर
भीगी पलकें जो उसकी मैं,
चला गया आंखों में कुछ ये कह
समझाया था उसने।
खामोशी जुबान की
बहुत कुछ बयां कर रही थी,
इक मुस्कान से जिसे चेहरे से
मिटाया था उसने।
वक्त बेवक्त जाने कितने ही
जख्मों को संभाला है भीतर,
बना खुद को ही ढाल
खुद ही को संभाला था उसने।
सौगातें बेशकीमती थी
दर्द कि वो शायद सभी,
इसीलिए छिपा सबसे खुद ही में
छुपाया था उसने।
बिखरी जुल्फों के आड़ में
अक्सर अश्क बहा लेती थी,
कहना फिर भी कभी किसी को
कुछ ना चाहा था उसने।
उठती जो दिल में
अक्सर टीस थी स्नेहिल उसके,
दरमियां जमाने के एक पर्दा हर पल
गिराया था उसने।।

पुनर्पाठःएक वर्षगाँठ

राजेश कुमार बिंवाल
रघुनाथगढ़ सीकर राजस्थान

सरस बंधन की वर्षगांठ
हर जीवन का है पुनर्पाठ
नवजीवन की काँट-छाँट
भेद हृदय के बाँट-पाट
नित जीवन में हो वर्षगांठ।
व्रण पड़े जो भी जीवन में थे
नित -नित गहरे होने को थे
उलझे पथ की सरस सरिता
मधु कलरव सी बगिया महकी
सुखद संगिनी बनकर पिंकी।
जीवन के कठोर धरातल पर
सत्य का घेरा जकड़ जाता
उधेड़बुन की सत्ता के फँदे
जीवन झकझोर किये जाता
जीवन अकर्म कहाँ टिक पाता।
पुलकित होकर चेतन था जीवन में
कुसुम बने खिले उपवन में
आशाओं से घन उमड़ आये
चिंता के घेरे जकड़े जाये
बन आये तो वर्षगांठ
यहीं जीवन का पुनर्पाठ।
दुषित हुआ मन-जन पथ-पथ
छूते न दोष जो हो समरथ
समरसता के पथ के साथी
लो निचोड़ जीवन का अमृत
सीख गये तो वर्षगांठ
पढ़ गये तो पुनर्पाठ।
कैसे-कैसे अनिर्मित थे पथ हमारे
लावण्यमयी थे कुछ दैव इशारे।
शर से तीक्ष्ण होते कर्म सखे!
बेंध देते भाग्य-पुस्तक पार सखें।
बस यहीं जीवन में है वर्षगाँठ
है जीवन का पुनर्पाठ।

सजदा

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

तेरे दर से गुजरती राहों को सज़दा मेंरा
तेरी ख़ामोश सी निगाहों को सज़दा मेरा
वो हवाएं वो फिजाएं वो सुहाना मंज़र
वो वादियां वो धूप छाहों को सज़दा मेंरा
तेरा सरापा तेरे प्यार का हसीं सागर
तेरे आगोश की पनाहों को सजदा मेरा
साथ चलने का वो वादा वो ख़यालो का सफर
बिखरती ख्वाहिशों की आहों को सज़दा मेरा
जल रही है शमां चराग भी उधर रौशन
पिघलती रूह की कराहों को सजदा मेरा

कहाँ है बात कलमों में

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

अगर इक शाम हो जाये, तेरी ज़ुल्फ़ों की छाहों में
बिता दूँ ज़िन्दगी पल में, मोहब्बत की पनाहों में
तेरी चाहत तेरी क़ुर्बत तेरी पलकों तले जन्नत
है किसको चाह जीने की के मर न जाऊँ आहों में
जिन्हें थी राह सब मालूम, जो रोशन रोशनाई से
कहाँ है बात कलमों में अब के सरबराहों में
जहान-ए- दिल में तुम ही तुम सजाए तख़्त बैठे हो
मिले चाहे शिकस्त सही हमें फिर बे-पनाहों में
झुकी नज़रें तो मानो यूँ के जैसे एहतराम हुए
मिलीं नज़रें तो गाये गीत कुछ दिल के निबाहों में

ऐ जिंदगी

ओमप्रकाश बिन्जवे
राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

न ही कुछ जोडा,न ही कुछ घटाया,ऐ जिंदगी।
जैसी भी मिली उसी तरह निभाया,ऐ जिंदगी।
रोती रही रातों में,शबनम मेरी बेबसी पे,
रूठे ख्वाबों को थपकी दे के सुलाया,ऐ जिंदगी।
कभी मिले खुशी के गीत कभी बेबसी के नग्में,
हर लम्हाँ गीतों सा,गुनगुनाया,ऐ जिंदगी।
खुद ही ओढ लिया घबरा के,गम का क़फ़न,
कतरा कतरा साँसों का कर्ज चुकाया,ऐ जिंदगी।
गरीबों के नसीब में कहाँ चाँदनी के ख्वाब,
कँटीले रास्तों पे,खुद को बहलाया,ऐ जिंदगी।

जिधर देखो उधर शोषण और महंगाई

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़.

भुखमरी और गरीबी में
जीते हर बहन भाई
कैसे सच हो सपना
गांधी के ग्राम स्वराज का
न जाने क्या होगा इस समाज का
भ्रष्ट नेता भ्रष्ट सिस्टम भ्रस्ट
पॉलिसी सारी
भ्रष्टाचार की अगन में
जलती भारती प्यारी
जैसे बज रहा हो
यहां हर स्वर बिना साज का
न जाने क्या होगा इस समाज का
बेरोजगारी की कगार पर
खड़ा हर युवक
चाहत नौकरी की या
बने नेता का सेवक
चिंता कल कि नहीं
उसे फिक्र है आज का
न जाने क्या होगा इस समाज का
निजी स्वार्थ में जुटे
जब देश के ही रक्षक
कैसे हो विकास
जब बने रक्षक ही भक्षक
ऐसे बेईमान कर रहे हैं
सौदा मां की लाज का
जाने क्या होगा इस समाज का
जवानों सुनो पुकार
भारत भारत मां की
रक्षा करनी है बलि देकर
अपने जां की
संकल्प ले करेंगे,रक्षा भारत मां
की लाज का
तभी सुधार होगा इस समाज का

क्यों बढ़ रहे हैं वृद्ध आश्रम ?

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

बुढ़ापा एक ऐसी शरीर की अवस्था है जब मनुष्य उम्र दराज हो जाता है, उसे कई प्रकार की आधि और व्याधि बीमारियां घेर लेती हैं और वह चलने, फिरने, उठने और बैठने में लाचार हो जाता है! उसे जीवन यापन के लिए किसी और की सहायता की जरूरत पड़ती है!

भारतीय समाज की सोच के मुताबिक मनुष्य की आयु 100 वर्ष मानी गई है और हमारे बुजुर्गों तथा समाजसेवियों ने मानव जीवन को 25, 25 वर्ष के चार आश्रमों अर्थात बाल आश्रम, गृहस्थ आश्रम, वानप्रस्थ आश्रम तथा संयास आश्रम में बाटा है! संयास आश्रम तक पहुंचते-पहुंचते मनुष्य अपनी पारिवारिक तथा व्यवसायिक जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाता है और वह परिवार को छोड़ प्रभु भक्ति की तरफ ध्यान लगाना शुरू कर देता है और संयास आश्रम में तो मनुष्य पूर्ण तौर पर इच्छा से मुक्त होकर सन्यासी का जीवन व्यतीत करता है! इस प्रकार की सोच थी हमारे हजारों हजारों साल पुराने समाज के निर्माताओं की! उन्होंने वृद्धावस्था के बारे में परेशानियों से बचने के लिए वानप्रस्थ आश्रम तथा संयास आश्रम की व्यवस्था कर रखी थी! अतः बुढ़ापा आने पर परिवार के सदस्यों को उसे संभालने के लिए कोई परेशानी या जिम्मेवारी नहीं उठानी पड़ती थी!

पहले हमारे समाज में संयुक्त परिवार प्रणाली प्रचलित थी जिसके मुताबिक बुजुर्गों को परिवार में उचित मान सम्मान दिया जाता था और उनकी हर प्रकार की देखभाल तथा सहायता की जाती थी! लेकिन अब जमाना बदल गया है! अब संयुक्त परिवार प्रथा के बदले में ऐकल परिवार प्रथा का रिवाज शुरू हो गया है जिसके मुताबिक बेटा अपने मां बाप के साथ रहने के बदले में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहना ज्यादा पसंद करता है! एकल परिवार में बेटा और बहू अपने बुजुर्गों को अपने साथ नहीं रखना चाहते क्योंकि उनका यह मानना है कि इनके उनके साथ रहने से एक तो उनका खर्च बढ़ जाता है और दूसरे उनकी आजादी पर प्रतिबंध लग जाता है! बेटा और बहू अपने बुजुर्गों को परेशान करते हैं, जली कटी सुनाते हैं, गाली गलौज करते हैं, मारपीट करते हैं और उनकी संपत्ति पर जबरन कब्जा करके उनको वृद्ध आश्रम भेज देते हैं! जब तक बूढ़े मां बाप अपने बेटे और बहू के साथ रहते हैं उनको अच्छा भोजन नहीं दिया जाता, बीमारी में उनको दवा दारू नहीं दी जाती और उन्हें घर के एक उपेक्षित कोने में फेंक दिया जाता है, बच्चों को उनके पास नहीं जाने दिया जाता घर में कोई अतिथि आता है तो उसको बुजुर्गों के साथ मिलने नहीं दिया जाता कि कहीं बुजुर्ग उनकी शिकायत ही ना कर दे! कई बार बेटा और बहू अपने मां-बाप को वृद्ध आश्रम छोड़ आते हैं और फिर कभी उनका हालचाल पूछने नहीं जाते और कई बार परेशान होकर बूढ़े मां बाप खुद ही किसी अनाथ आश्रम की शरण में पहुंच जाते हैं! इससे ज्यादा विडंबना और शर्मनाक बात क्या होगी कि जिन माता पिता ने अपनी औलाद के लिए परमात्मा से मन्नत मांगी और खुद तकलीफ उठा कर अपने पैरों पर खड़ा किया, चलना सिखाया, पढ़ाया लिखाया, नौकरी लगवाई और विवाह किया और सोचा यह बेटा बुढ़ापे में श्रवण कुमार की तरह उनकी सेवा करेगा! हाय रे भाग्य! यह लड़का तो बिल्कुल औरंगजेब निकला! बहुत सारे बुजुर्ग लोग घर में दम घुट घुट कर जीते हैं, उन्हें बहुत जलील किया जाता है, उनके मरने की दुआएं मांगी जाती है, यह बुजुर्ग लोग भी परमात्मा से मौत की भीख मांगते हैं परंतु मांगने से क्या सब कुछ मिल जाता है! आखिरकार परेशान होकर दूसरों की दान दक्षिणा तथा सरकारी सहायता से चल रहे किसी वृद्ध आश्रम में मन मार कर जिंदगी के बचे खुचे दिन काटते हैं! परंतु अपने माता-पिता पर जुल्म करने वाले नौजवान बेटे और उनकी बहू यह नहीं समझते कि उनके बेटे उनकी करतूतों को देख रहे हैं और समझ रहे हैं! जब इन बच्चों के माता-पिता बड़े हो जाएंगे और अपने दादा दादी की तरह हो जाएंगे तब यह बच्चे भी उन्हें वृद्ध आश्रम छोड़ आएंगे! तब इनके मन पर क्या बीतेगी? इस बात को नहीं समझते! लेकिन इनके साथ तब ऐसा होगा ऐसा होगा. ऐसा. . अब पछताए क्या होत... जब चिड़िया चुग गई खेत.. अब बीता हुआ समय वापस नहीं आता और पछताने से भी कुछ होने वाला नहीं!

लेकिन इस सारे के बावजूद आज की युवा पीढ़ी अपने गर्म खून के जोश मैं कुछ नहीं समझती और बुजुर्गों को वृद्ध आश्रम मैं भेजने का सिलसिला पहले से भी बढ़ता जा रहा है! कोई जमाना था जब घर के सभी सदस्य सुबह उठकर बुजुर्गों के पांव छू कर आशीर्वाद लिया करते थे और उनका कहा हुआ हर एक शब्द सरकारी हुकुम से भी ज्यादा पाबंदी वाला होता था लेकिन अब वह दिन लद गए! बुजुर्ग लोग अपने घर में ही बेगाने हो गए हैं और उन्हें कोई पूछता ही नहीं और उनसे कोई डरता भी नहीं और बच्चों को बुलाते हैं तो कोई बच्चा आता नहीं! ऐसे में आखिरी शरण स्थली वृद्धाश्रम ही रह गए हैं!

सबसे पहले 6 फरवरी, 1911 को एरीजोना, अमेरिका में एक वृद्ध आश्रम खोला गया था जहां पर उपेक्षित बुजुर्गों की देखभाल की जाती थी! उसके बाद संसार के अन्य देशों में भी बुजुर्गों की देखभाल और सेवा करने के लिए वृद्धाश्रम खुलने लगे! भारत में भी इस समय लगभग 1150 वृद्धाश्रम हैं जिनमें 97 हजार वृद्धजन रहते हैं अनुमान है कि अगले 10 सालों में वृद्ध आश्रमों में जीवन के शेष दिन काटने वाले वरिष्ठ नागरिक 9 लाख हो जाएंगे! भारत में विभिन्न राज्यों में आवश्यकता के अनुसार आश्रम खोले जा रहे हैं ! दिल्ली में सबसे बढ़िया सिल्वर लाइनिंग ओल्ड एज होम है, इसके अलावा दिल्ली में मथुरा रोड पर गुरु विश्राम वृद्ध आश्रम, निहाल विहार, दिल्ली में साईं वृद्ध आश्रम तथा मालवीय नगर नई दिल्ली में एस के एस एस ओल्ड एज होम भी है! रोहतक में जन सेवा संस्थान है जहां अनाथालय, वृद्ध आश्रम तथा महिला वृद्ध आश्रम मौजूद हैं! यहां सभी सुविधाएं मुफ्त दी जाती हैं!

अगर अनाथालय और वृद्ध आश्रम एक ही स्थान पर खोल दिए जाएं तो बच्चों और बड़ों का इकट्ठे रहने से आपस में दिल लगा रहेगा!

वृद्ध आश्रम किसी कंपनी, सामाजिक संस्था अथवा एनजीओ के द्वारा सरकारी नियमों के अनुसार आमतौर पर शहर से बाहर खुले वातावरण में स्थापित किये जाते हैं यहां का वातावरण बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है! इन आश्रमों में वरिष्ठ नागरिक एक परिवार की तरह आपस में प्रेम भावना, सहयोग तथा समर्पित भावना के साथ रहते हैं! यहां का स्टाफ वरिष्ठ नागरिकों की सेवा परिवार के सदस्यों की तरह सभी सुविधाएं उपलब्ध करा कर अपने कर्तव्यों की पालना करता है! इन इन वृद्ध आश्रमों में खाने, पीने, रहने, चिकित्सा, मनोरंजन, योगा तथा भक्ति भावना की सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध होती हैं! कहना ना होगा कि वृद्ध आश्रमों में अधिकतर सभी सुविधाएं मुफ्त में मिलती है परंतु कहीं-कहीं वरिष्ठ नागरिकों के द्वारा आर्थिक योगदान के अनुसार भी सुविधाएं उपलब्ध होती है! इन आश्रमों में 24 * 7 अर्थात हर समय एंबुलेंस समेत सभी प्रकार की का इलाज करने वाले चिकित्सक लोग उपलब्ध होते हैं!

इस तरह आजकल वरिष्ठ नागरिकों की वृद्ध आश्रमों में सेवा करके पुण्य कमाया जा सकता है! कुछ वृद्ध आश्रमों की आर्थिक स्थिति अच्छी ना होने के कारण इन्हें आवश्यक सुविधाएं नहीं दी जा सकती! ऐसे में समाज के समृद्ध दानी लोगों तथा सरकार से इन्हें भरपूर आर्थिक सहायता दिए जाने की जरूरत है! अगर परिवार के सदस्य स्वयं ही अपने बुजुर्गों की देखभाल करना, इज्जत के साथ रखना और बीमारी में इलाज कराना और अपने बचपन को याद करके मां बाप के जन्म देने के कर्जे को उतारने की सोचें तो देश के अधिकांश वृद्धाश्रम बंद हो सकते हैं और समाज में माहौल सुख शांति वाला बन सकता है! परिवार की बहुओं को अपने बूढ़े सास ससुर के साथ दुर्व्यवहार करते समय और उन्हें वृद्धाश्रम में धकेलते समय मायके में अपने वृद्ध मां बाप के बारे में भी ज़रूर सोच लेना चाहिए।

सुहानें मौसम

डोमेन्द्र नेताम (डोमू)
बालोद छत्तीसगढ़

मौसम हो गई हैं अब सुहानें ,
पंछी गीत गा रही हैं नए तराने ।
प्रकृति भी ओढ़ ली हैं चादर
हरियाली ,
पर्वत पठार बन गए हैं अब दिवानें
मंद हवा की सुमधुर झरोखों से,
तन-मन को प्रफ्फुलित कर दिया।
और बारिश की रिमझिम फुहारों से
धरती भी बन गई अब तो मस्ताने
नदी-नालों की कलरव संग फूलों पर,
मंडराती तितली झर-झर बहती झरना।
देख नज़ारा मन हमारा बस,
कहता हैं? मौसम हो गई अब सुहाना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

जर्जर प्राथमिक शाला भवन ग्रामीणों के लिए बना मुसीबत

पुराने भवन को गिराकर नए प्राथमिक शाला बनाए जाने की मांग,स्कूल दूर होने से बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

-मनोज कुमार-

लखनपुर,01 जुलाई 2022(घटती-घटना)। लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोसंगा परसा पारा में विगत 5 वर्षों से प्राथमिक शाला भवन जर्जर होने से ग्रामीणों के लिए मुसीबत बना हुआ है। प्राथमिक शाला भवन में बड़े-बड़े दरारे आ चुकी है। भवन के दोनों तरफ मकान होने तथा भवन के सामने के बच्चे खेलते रहते हैं ।जिससे कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है। शिक्षा विभाग सहित जन चौपाल में ग्राम सरपंच सहित ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराते हुए उक्त साला के जर्जर भवन को गिराकर नए प्राथमिक शाला भवन बनाए जाने की मांग की है परंतु आज तक शासन प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया जिसे लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि परसा पारा के बच्चों के पढ़ाई के लिए प्राथमिक शाला भवन निर्माण के लिए 2006 में स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा भूमि दान स्वरूप दिया गया था जिस पर शासन की ओर से प्राथमिक शाला भवन बनाया गया था प्राथमिक शाला भवन निर्माण होने उपरांत वहां अध्ययन कार्य भी सुचारू रूप से प्रारंभ था परंतु घटिया निर्माण होने के वजह से भवन चार-पांच सालों में है जर्जर हो गया। जर्जर भवन को जोड़ना उद्धार करने के बजाए मुख्य मार्ग स्थित ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कर बच्चों को अध्ययन कराया जा रहा है। लगभग 1 किलोमीटर दूर स्कूल होने से छोटे बच्चों को स्कूल आने जाने में काफी कठिनाई होती है। स्कूल आने जाने के दौरान छोटे बच्चों के साथ कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। बच्चों को लेकर परिजन काफी चिंतित रहते हैं। तो वही जर्जर हो चुके प्राथमिक शाला भवन के पास सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एकत्रित होकर पुराने प्राथमिक शाला भवन को गिरा कर नए प्राथमिक शाला भवन बनाए जाने की मांग सरपंच के माध्यम से शासन प्रशासन से की है ।

इस संबंध में ग्राम कोसंगा सरपंच संगीता कंवर के द्वारा कहा गया कि बड़ी संख्या में आज परसा पारा के ग्रामीण जर्जर हो चुके प्राथमिक शाला भवन के सामने एकत्रित हुए थे जहां उन्होंने पुराने प्राथमिक शाला भवन को गिरा कर नए भवन बनाए जाने की मांग की है। जिससे परसा पारा के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। छोटे बच्चों को स्कूल जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। साथ ही उन्होंने बताया कि मेरे द्वारा पूर्व में भी शिविर तथा शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को जर्जर प्राथमिक शाला भवन को गिराकर नए भवन बनाए जाने की मांग की गई थी परंतु अब तक मांगे पूरी नहीं हुई है।

संगीता कवर
सरपंच

ग्राम कोसंगा के पूर्व सरपंच लोचन सिंह के द्वारा कहा गया कि बरसा पारा प्राथमिक शाला भवन लगभग 10 वर्षों से जर्जर हो चुका है जिससे कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है। जर्जर हो चुके प्राथमिक शाला भवन को गिरा कर नए भवन बनाए जाने की मांग विधायक मंत्री सहित प्रशासनिक अधिकारियों से की जा चुकी है। परंतु इनके द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। और ना ही शासन प्रशासन के द्वारा अब तक कोई सूद लिया गया है।

लोचन सिंह
पूर्व सरपंच

ग्राम कोसंगा के पूर्व सरपंच केशव सिंह के द्वारा कहा गया कि 2006 में कोसंगा परसा पारा में शासन द्वारा प्राथमिक पाठशाला भवन बनाकर बच्चों को शिक्षा दिया जा रहा था परंतु चार-पांच सालों में ही या भवन जर्जर हो गया। सन 2017 से जर्जर भवन को गिरा कर नए प्राथमिक शाला भवन बनाए जाने की मांग चांदो अरगोती के जन समाधान शिविर तथा शिक्षा विभाग को आवेदन देकर किया गया परंतु अब तक प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिया गया है। 2016-17 से कोसंगा खास पारा में बने अतिरिक्त कक्ष में स्कूल का संचालन किया जा रहा है। परंतु स्कूल दूर होने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

केशव सिंह
पूर्व सरपंच कोसंगा

इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार लंगेह द्वारा कहा गया कि जिला अंतर्गत जितने भी स्कूल भवन जर्जर हो चुके हैं मरम्मत कार्य के लिए जिला पंचायत से राशि आवंटित की जा चुकी है। अति जर्जर हो चुके भवन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को सूची जारी करवा दिया जाएगा उसे रिपेयर करवाने के लिए जो उचित हो कार्यवाही करेंगे।

विनय कुमार लंगेह
जिला पंचायत सीईओ

सरगुजा जिले के नव पदस्थ कलेक्टर कुंदन कुमार ने कहा जिले में कितने स्कूल भवन जर्जर हैं विभाग से सूची मंगवाया जाएगा साथ ही उन्होंने कहा कि जर्जर भवन में बच्चों को ना बैठा जाए ।अनयूज़्ड जर्जर भवन को पंचायत प्रस्ताव कर ढहाने का कार्य करे।

कुंदन कुमार
नवपदस्थ कलेक्टर
अम्बिकापुर सरगुजा

मौसी के घर जाने निकले प्रभु जगन्नाथ तो रथ की रस्सी खींचने उमड़े श्रद्धालु

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा शुक्रवार को शहर में धूमधाम से निकली। श्रद्धालुओं ने रथयात्रा का जगह-जगह स्वागत किया और भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की पूजा अर्चना की। भजन-कीर्तन एवं महाप्रभु के जयकारे से पूरा शहर भक्तिमय हो गया। रथ को खींचने श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहा। रथयात्रा जोड़ा पीपल, गांधी चौक, संगम चौक होते हुए देर शाम को दुर्गाबाड़ी स्थित महाप्रभु के मौसी के घर पहुंच कर सम्पन्न हुई। यहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा को स्थापित किया गया। यहां से नौ दिनों बाद महाप्रभु की अपने घर वापसी होगी।

केदारपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर में सुबह रथयात्रा से पूर्व परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना हुई। इसमें उत्कल समाज के लोग सहित बड़ी संख्या में शहर के श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए और मंगलमय जीवन की कामना की। दोपहर में पारंपरिक पूजा के साथ महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की प्रतिमा को फूलों से सजे रथ पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच स्थापित कर रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा जोड़ा पीपल होते हुए चोपड़ापारा स्थित जगन्नाथ मंदिर

पहुंची। जगन्नाथ मंदिर में काफी देर तक दर्शन के लिए रथ को रोका गया। पूजा-अर्चना के बाद रथयात्रा आकाशवाणी चौक, गांधी चौक, संगम चौक, ब्रह्म रोड, सदर रोड, महामाया चौक होते हुए देर शाम को देवीगंज रोड स्थित दुर्गा बाड़ी पहुंची। दुर्गा बाड़ी को भगवान जगन्नाथ की मौसी का घर माना जाता है। यहां रथयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की प्रतिमा स्थापित की गई।

शहर में जगह-जगह किया गया स्वागत

रथयात्रा का शहर में श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया और महाप्रभु की पूजा अर्चना की गई। ढोल, नगाड़े, घंटी की थाप पर श्रद्धालु झूमते रहे। इससे पूरा शहर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। रथ को खींचने लोगों में खासा उत्साह रहा। बच्चे, महिलाएं, युवा व बुजुर्ग रथ खींचने के लिए लालायित रहे। रथ जैसे-जैसे आगे बढ़ता गया श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई।

नौ दिनों बाद वापस घर लौटेंगे महाप्रभु

मौसी के घर से भगवान जगन्नाथ सहित बलभद्र एवं सुभद्रा की नौ दिनों बाद घर वापसी होगी। मौसी के घर उत्कल समाज द्वारा नौ दिनों तक उनकी परंपरागत ढंग से पूजा अर्चना की जाएगी। इसके बाद उनको वापस श्रद्धालुओं द्वारा रथ पर बैठाकर केदारपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर लाया जाएगा। मौसी के घर में विश्राम करने के बाद दुर्गा बाड़ी से भगवान जगन्नाथ मंदिर तक जाएगी।

डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों ने किया रक्तदान

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सालय में डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में हर साल की भांति इस साल भी अधिष्ठाता, अस्पताल अधीक्षक एव अन्य डॉक्टरों द्वारा डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में रक्त दान किया गया। विभागाध्यक्ष पैथोलॉजी डॉक्टर आर्य के बेटे द्वारा भी ब्लड डोनेशन किया गया साथ ही मेडिकल कालेज परिसर में सभी डॉक्टर एवं एम बीबीएस छात्र - छात्राओं द्वारा वृक्षा रोपण किया गया। साथ ही छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक भी किया गया कार्यक्रम में डॉक्टर आरसी आर्या डाक्टर रंजना सिंह आर्या डॉक्टर बीआर सिंह डॉक्टर अविनाशी कुजूर डॉक्टर विकास पांडे एवं जगदीश सिंह एव अन्य सभी चिकित्सक भी उपस्थित थे।

28 जून से लापता 2 वर्षीय बालिक पूनम का नहीं चल पा रहा पता

-नगर संवाददाता-

उदयपुर,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। - सरगुजा जिले के वनांचल क्षेत्र विकास खण्ड उदयपुर के ग्राम बुले से दिनांक 28 जून से 2 वर्षीय मासुम बालिक पूनम अगरिया बिना परिजनों की जानकारी के जंगल की ओर से कहीं चला गया और आज तक उक्त बालिक का कहीं पता नहीं चला है। पुलिस को बालक के गुमने की सूचना मिलने पर 29 जून से इसे ढूंढने के प्रयास शुरू किए गये सबसे पहले ग्रामीणों के साथ मिलकर नदी तालाब नालों खेतों की छानबीन की गई ततपश्चात गांव के सैकड़ों लोगों के साथ मिलकर आसपास के जंगलों की एक एक हिस्से को छान मारा गया परन्तु यहाँ भी बालक का कहीं पता नहीं चल पाया है।शुक्रवार 1 जुलाई को जिले से आये डॉग स्क्वायड की टीम की मदद भी ली गई परंतु यहाँ भी पुलिस और आम लोगों को कोई सफलता नहीं मिल पाई है।

बालिक के माँ बाप का रो रोकर बुरा हाल है । वहीं ग्रामीणजन नन्ही जान के लिये दिन रात दुवाएँ कर रहे है ।

सभी परेशान इस बात से है कि छोटा बच्चा घर जंगल नदी नालों में कहीं नहीं मिला तो आखिर गया कहां।

सरगुजा पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला व एसडीओपी ग्रामीण अम्बिकापुर अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में थाना प्रभारी उदयपुर धीरेन्द्र नाथ दुबे, चौकी प्रभारी मनोज सिंह तथा अन्य स्टॉफ व ग्रामीणों द्वारा बालक का लगातार पता तलाश किया जा रहा है।

अम्बिकापुर तहसीलदार ने कार्यालय परिसर में लगवाया वॉटर कूलर

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। जिले में नवपदस्थ कलेक्टर कुंदन कुमार ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित कार्यालयों का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के पश्चात कलेक्टर कुंदन कुमार ने जिला कार्यालय के विभिन्न शाखाओं, एसडीएम कार्यालय, तहसीलदार कार्यालय व नवीन संयुक्त भवन में संचालित कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान अभिलेख शाखा के पुराने अभिलेखों को व्यवस्थित रखने, प्रतिलिपि शाखा के कार्य मे पारदर्शिता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसील परिसर में आगंतुकों के लिए शीतल पेयजल के लिए

वाटर कूलर की व्यवस्था तथा शौचालय को साफ रखने के भी निर्देश दिए थे। कलेक्टर कुंदन कुमार के आदेशों के परिपालन में अम्बिकापुर तहसीलदार भूषण सिंह मंडावी ने त्वरित कार्यवाही करते हुए तहसील कार्यालय में सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा दिया है। उन्होंने आम जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए कार्यालय परिसर में नया वाटर कूलर लगवाकर कार्यालय व टॉयलेट की साफ सफाई करवा दिया है। इसके साथ ही ऑफिस में छत्तीसगढ़ शासन का लोगो, नेम प्लेट तथा महापुरुषों की फ़ोटो लगवा दी है।

महिला की बचाव हेतु दो अन्य रक्तदाता आगे आए

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। मानव जीवन के लिए रक्त क्या अहमियत रखता है यह उस समय देखने को मिला जब एक एनिमिक महिला सूरजपुर जिले से अंबिकापुर पहुंची। महिला के शरीर में मात्र 2.4 ग्राम रक्त था जिससे उसकी स्थिति काफी नाजूक बनी हुई थी। मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंची महिला के लिए बी निगेटिव खून की जीवनरक्षा के लिए तत्काल जरूरत थी। महिला के साथ आए परिवार के सदस्यों में कोई भी ऐसा नहीं था जिसका खून उक्त ग्रुप से मेल खाता हो। इसकी जानकारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह को मिली तो उन्होंने बी निगेटिव ब्लड की उपलब्धता के लिए ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. विकास पाण्डेय को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अगर ब्लड बैंक में उक्त ग्रुप का खून नहीं है तो रक्तदाताओं की सूची में शामिल ऐसे लोगों को देखें जिनका रक्त ग्रुप बी निगेटिव हो। उनका यह सुझाव महिला के लिए जीवनदायिनी साबित हुआ और ब्लड बैंक प्रभारी के संपर्क पर अदानी में कार्यरत नंदकुमार प्रजापति व शिवधारी कॉलोनी के लक्ष्मी तिवारी दो यूनिट बी निगेटिव रक्त दान कर महिला की जीवन रक्षा की कड़ी साबित हुए।

यह था मामला

सूरजपुर के जिला अस्पताल में कमला नामक 23 वर्षीय महिला को भर्ती किया गया था जिसके शरीर में मात्र 2.4 ग्राम खून था। रक्त की अत्यधिक कमी के कारण वह कोमा में जाने की स्थिति में पहुंच चुकी थी। सूरजपुर में बी निगेटिव ग्रुप का खून नहीं मिलने पर उसे चिकित्सकों की सलाह पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर स्वजन पहुंचे। एनीमिक महिला की स्थिति को चिकित्सा अधीक्षक ने गंभीरता से लिया और रक्तदाताओं के सहयोग से वह कोमा में जाने से बच गई।

बायोलॉजी विभाग के इंचार्ज डॉ. अरविंद सिंह ने दिया खून

महिला की स्थिति नाजुक देखते हुए ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. विकास पाण्डेय बी निगेटिव ग्रुप के रक्तदाताओं से संपर्क करने में लगे थे, लेकिन महिला के लिए खून की तत्कालिक जरूरत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज के बायोलॉजी विभाग के इंचार्ज डॉ. अरविंद सिंह ने तत्काल एक यूनिट रक्त देकर कोमा में जा रही महिला को राहत पहुंचाने का पुनीत कार्य किया।

ट्रैक्टर पलटने से बालक की मौत

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम फतेहपुर निवासी कौशलेंद्र प्रताप सिंह पिता मोहन सिंह 11 वर्ष की ट्रैक्टर पलटने से मौत हो गई। मृतक सुबह सात बजे गांव के प्रमोहन के साथ ट्रैक्टर में बैठकर हाईस्कूल के पास बाड़ी में जोताई करने साथ में गया था। जोताई के समय अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर का इंजिन पलट गया, जिसमें कौशलेंद्र व प्रमोहन दोनों दब गए थे। गांव के लोगों ने इन्हें बाहर निकाला लेकिन कौशलेंद्र की मौत हो गई, प्रमोहन का उपचार चल रहा है। ट्रैक्टर भदर सिंह की बताई जा रही है।

शासकीय अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए पूर्ण यूनिट रक्त अब 1100 रूपये में

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता ने ट्रांस्फ्यूजन कमेटी की बैठक में दी जानकारीमेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता ने ट्रांस्फ्यूजन कमेटी की बैठक में दी जानकारी।

शासकीय अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता के लिए किये जा रहे तमाम प्रयासों के बीच रक्त की आपूर्ति निरंतर बनी रहे इसके लिए रक्तदान पर जोर दिया जा रहा है। विभिन्न स्वैच्छिक संस्थाओं के साथ ही शहर में ऐसे भी रक्तदाता मौजूद है जो समय-समय पर अस्पताल में रक्त की कमी न हो इसका ध्यान रखते हुए स्वस्फूर्त रक्तदान के लिए पहुंच जाते हैं, जिससे ब्लड बैंक में आकस्मिक जरूरत पड़ने पर मरीजों को राहत मिलती है।

शासकीय अस्पतालों में भर्ती मरीजों को जरूरत पड़ने पर खून की उपलब्धता ब्लड बैंक से सुनिश्चित की जाती है। बीमार के स्वजनों ने एक्सचेंज में खून दिया तो उन्हें जरूरत के अनुरूप संबंधित समूह का खून निश्शुल्क उपलब्ध कराया जाता है। अगर ब्लड बैंक से खून देना हो तो एक निर्धारित शुल्क लिया जाता है। इसकी कटौती आयुष्मान कार्ड से भर्ती मरीजों को सहूलियत देते हुए की जाती है। इसी कड़ी में गुरूवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ट्रांस्फ्यूजन कमेटी की बैठक मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति, अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने ली। इस दौरान विभिन्न विभागों के एचओडी चिकित्सक, अस्पताल की सलाहकार प्रियंका कुरील सहित अन्य स्टॉफ उपस्थित थे। इस दौरान अखिल भारतीय स्तर पर अस्पतालों से जरूरतमंदों को दिए जाने वाले रक्त के निर्धारित दर की जानकारी दी गई। डीन डॉ. रमणेश मूर्ति ने बताया कि ऑल इंडिया स्तर पर शासकीय अस्पतालों में भर्ती मरीजों को दिए जाने वाले खून के लिए नए दर का निर्धारण किया गया है। इसके अलावा विभिन्न चिकित्सा संस्थाओं के द्वारा खून की मांग किए जाने पर पृथक से दर निर्धारित की गई है। ऐसे में अब शासकीय अस्पतालों में भर्ती मरीज व निजी चिकित्सा संस्थाओं को मांग के अनुरूप रक्त की उपलब्धता नए दर में की जानी है, इसके लिए राज्य सरकार के द्वारा दिए गए गाइड लाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। इसी तारतम्य में हॉस्पिटल ट्रांस्फ्यूजन कमेटी का गठन किया गया है जिसमें पीडियाट्रिक सहित अन्य विभागों के एचओडी भी शामिल किए गए हैं।

ये है निर्धारित शुल्क

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति ने बताया कि शासकीय अस्पतालों में पूर्व में 550 रूपये में पूर्ण यूनिट रक्त जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध कराया जाता था। अब पूर्ण यूनिट रक्त 1100 रूपये में भर्ती मरीजों को मिल पाएगा। वहीं निजी चिकित्सा संस्थाओं के द्वारा खून की मांग किए जाने पर पूर्ण यूनिट रक्त 1500 रूपये में उपलब्ध कराया जाएगा। पहले 1400 रूपये शुल्क निजी चिकित्सा संस्थाओं के लिए निर्धारित किया गया था। उन्होंने कहा कि रक्त की कमी न हो इसके लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. विकास पाण्डेय द्वारा समय-समय पर अच्छी पहल की जा रही है।

CMYK

उदयपुर में हुई दर्जी कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद का सरगुजा बंद आज

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। राजस्थान के उदयपुर में हुई दर्जी कन्हैयालाल की तालिबानी तरीके से हत्या के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा कल सरगुजा बंद का आह्वान किया गया है। विहिप ने आगे ऐसी बर्बर घटना होने पर अब हिन्दू समाज के द्वारा भी उग्र प्रतिरोध करने की चेतावनी भी दी है।

आज इस संबंध में जानकारी देते हुए विहिप के जिला संयोजक अशोक अग्रवाल ने कहा कि उदयपुर में रहने वाले दर्जी कन्हैयालाल की गौस मोहम्मद व रियाज द्वारा तालिबानी तरीके से गला काट कर हत्या कर दी गई थी तथा इसके बाद अपना वीडियो बनाकर हिन्दू समाज व प्रधानमंत्री को भी धमकी दी गई थी। ऐसे लोगों को यदि कानून व सरकार तत्काल सजा देने में सक्षम नहीं है तो उन्हें हमारे हवाले कर दे हम उसे सजा देने को तैयार हैं।

श्री अग्रवाल ने कहा कि सभ्य समाज में इस प्रकार की घटना होना किसी भी प्रकार से स्वीकार्य नहीं होगा। यूपी में कमलेश तिवारी की हत्या तथा नरसिम्हानंद सरस्वती पर हमला होना भी ऐसा ही है। विहिप ने मांग की कि ऐसे मदरसों व मस्जिदों की पहचान कर कार्यवाही की जानी चाहिए जहां से ऐसे जेहादियों को बढ़ावा मिल रहा है और मदरसों को बंद भी किया जाना चाहिए। विहिप ने चेतावनी देते हुए कहा कि अब अगर दुबारा ऐसी घटना हुई तो हिन्दू समाज भी चुप नहीं बैठेगा। अम्बिकापुर शहर में भी बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुस्लमानों के होने व शासन प्रशासन पर इन लोगों पर कार्यवाही नहीं करने का भी आरोप विहिप ने लगाया है।

विहिप ने बताया कि इस घटना के विरोध में विहिप व अन्य हिन्दू संगठनों द्वारा एकजुट होकर कल भारत बंद का आहवान किया गया है। जिसका विभिन्न सामाजिक व व्यापारी संगठन भी समर्थन कर रहे हैं। वहीं इस घटना के विरोध में शनिवार दोपहर को हिन्दू युवा एकता मंच द्वारा भी दोपहर 1 बजे गांधीचौक पर विरोध प्रदर्शन किये जाने का आह्वान किया गया है।

कोरबा जिले के 16वें कलेक्टर बने आईएएस संजीव झा ने लिया पदभार

-नगर संवाददाता-

कोरबा,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

जिले के नव पदस्थ कलेक्टर संजीव झा ने रथयात्रा के पावन पर्व पर पदभार ग्रहण कर लिया । कलेक्टर की जॉइनिंग को लेकर सुबह से ही प्रशासनिक अधिकारी तैयारी में थे। एडीएम व जिला कोषालय अधिकारी ने जिले के सोलहवें कलेक्टर को पदभार की औपचारिकता पूरी कराई। उल्लेखनीय है कि कोरबा कलेक्टर श्रीमती रानू साहू को रायगढ़ कलेक्टर बनाया गया है और उनके स्थान पर अम्बिकापुर कलेक्टर को कोरबा कलेक्टर का प्रभार सौंपा है। राज्य सरकार ने कोरबा जिले में 2011 बैच के आईएएस संजीव झा को नया कलेक्टर पदस्थ किया है द्ध 04 जनवरी 1976 को उनका जन्मदिन है। आईएएस संजीव झा ने 22 अगस्त 2011 बतौर भारतीय प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर

अपनी सर्विस ज्वाइन की। इससे पहले वे सूरजपुर जिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के अलावा बलरामपुर रामानुजगंज जिले में कलेक्टर का प्रभार संभाल चुके हैं। इससे पहले श्री संजीव झा 6 फरवरी 2019 से 28 जून 2022 तक सरगुजा जैसे बड़े जिले में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी पद का बखूबी निर्वाहन किया है। तेज तर्रार कलेक्टर की पदस्थापना से कोरबा के विकास को और बेहतर गति मिलेगी ।

पदभार ग्रहण करते ही एक्शन में आए कलेक्टर

कलेक्ट्रेट भ्रमण कर कहा जनता से जुड़ी समस्याओं का तत्काल हो निराकरण

-नगर संवाददाता-

रामानुजगंज 01 जुलाई 2022(घटती घटना)।

जिले के नवपदस्थ कलेक्टर ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने संयुक्त जिला कार्यालय का निरीक्षण उपरांत जिला स्तरीय अधिकारियों से मुखातिब हुए। 2015 बैच के आईएएस अधिकारी विजय दयाराम के. इससे पूर्व नगर पालिक निगम अम्बिकापुर में आयुक्त के पद पर पदस्थ थे। उन्होंने धमतरी एवं कवर्धा जिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का दायित्व भी संभाला चुके है। उन्होंने जिला कार्यालय में संचालित कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान कई निर्देश देते हुए उन्होंने नाजिर से संयुक्त जिला कार्यालय भवन के शौचालयों को ठीक करने एवं नियमित साफ-

सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक लेकर अधिकारियों से शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन करने की बात कही। सभी विभाग प्रमुखों से कार्यालय के मुख्य द्वार पर कार्यालय का बोर्ड लगाने तथा हर कक्ष को नम्बरिंग करने के साथ शाखा का नाम अंकित करने के निर्देश दिये। आम जनता को अपने आवेदनों को प्रस्तुत करने में परेशानी न हो, इसके लिए कलेक्टर ने आवक-जावक शाखा को संयुक्त जिला कार्यालय भवन के मुख्य द्वार पर ही स्थापित करने को कहा। उन्होंने सभी अधिकारियों से मुख्य द्वार पर सूचना के अधिकार के तहत् जनसूचना एवं अपीलीय अधिकारी के नाम व मोबाईल नम्बर सहित सूचना पटल लगाने के निर्देश दिये।

ब्लेड से प्रहार करने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 01 जुलाई 2022 (घटती घटना)।

गुरूवार को ग्राम डुमरिया निवासी नीलकुंवर देवांगन ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि गांव का सहदेव इसके पति बनारसी देवांगन को जान से मारने की नियत से गला में 2-3 बार धारदार हथियार ब्लेड से वार कर दिया है। प्रार्थियां की रिपोर्ट पर धारा 307 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने थाना प्रभारी को आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

हरीश राठौर व एसडीओपी सूरजपुर गीता वाघवानी के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर की पुलिस ने आरोपी सहदेव देवांगन पिता जागरसाय देवांगन उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम डुमरिया को गांव में घेराबंदी कर पकड़ा, पूछताछ पर आरोपी ने आपसी रंजीश के कारण धारदार ब्लेड से बनारसी के गले में प्रहार करना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त ब्लेड जप्त कर गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर, एएसआई रघुवंश सिंह, आरक्षक हरिशंकर सिंह, लक्ष्मी नारायण मिर्रे व महिला आरक्षक अलका टोप्पो सक्रिय रहे।

कोरबा के धर्म अस्पताल में गुंडागर्दी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

कोरबा,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

आपसी विवाद को लेकर मारपीट में घायल एक युवक जब अपना इलाज कराने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा तो वहां उसे खींचकर बाहर निकालने की कोशिश करते हुए हाथ मुक्का और झारा से बुरी तरह मारा-पीटा गया। इस घटना से अस्पताल स्टाफ सहित बीएमओ में दहशत का माहौल रहा। दहशतगर्दी के इस मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। घटना दिनांक 30 जून को रानी धनराज कुंवर देवी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (धर्म अस्पताल) में हुए घटनाक्रम को लेकर के बीएमओ डॉ.दीपक राज ने कोतवाली में लिखित शिकायत प्रस्तुत किया। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सुबह लगभग 7-30 बजे मुन्ना यादव, सफीक खान व अजय यादव चिकित्सालय के अंदर पहुंचकर गुंडागर्दी करते हुए पूरे चिकित्सालय स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार,गाली -गलौज करते हुए एक-दूसरे के साथ

मारपीट कर रहे थे। मैं स्वयं पहुंचकर देखा तो गालियां और अपशब्दों के साथ मारने हेतु दौड़ाने लगे। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में उक्त व्यक्तियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 604/22 धारा-294,506,323,186 ,353, 34 भादवि तथा छत्तीसगढ़ चिकित्सा सेवक तथा चिकित्सा सेवा संस्थान अधिनियम 2010 की धारा 3 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। घटना को पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने काफी गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देशानुसार टीआई राजीव श्रीवास्तव ने मातहतों के सहयोग से आरोपी लक्ष्मी नारायण यादव उर्फ मुन्ना यादव पिता रामकुमार यादव 51 वर्ष रानी रोड पुरानी बस्ती, अजय यादव पिता लक्ष्मी नारायण यादव उर्फ मुन्ना यादव 22 वर्ष, व सफीक खान पिता असलम खान 32 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया गया। उपरोक्त कार्यवाही में नगर निरीक्षक सहायक उपनिरीक्षक साहूकार खंडेकर, आरक्षक अरुण तिर्की, चंद्रकांत गुप्ता, संदीप टंडन, गगन जायसवाल की सराहनीय भूमिका रही।

महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन किया,हुई मौत

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुनियाकला में विवाहिता ने अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। सुबह स्वजनों ने कमरे का दरवाजा बंद देख आवाज लगाई लेकिन किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सुनने को नहीं मिली। बलपूर्वक दरवाजे को खोलकर जब पति व स्वजन अंदर गए तो वह उल्टी रही थी। पुलिस ने बताया कि सलिता सिंह पति महेश प्रसाद 40 वर्ष 29 जून को अपनी पुत्री सबीता के साथ अलग कमरे में सोई थी। सुबह पति उठा और वह पत्नी को उठाने के लिए आवाज लगाया, लेकिन वह कुछ नहीं बोली। कमरा अंदर से बंद होने के कारण जब बलपूर्वक दरवाजे को खोला गया तो उसकी पुत्री सबीता सो रही थी वहीं सलिता की स्थिति खराब थी। पूछताछ करने पर वह कुछ नहीं बोली। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां 30 जून की रात साढ़े नौ बजे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने महिला के पति का बयान लेकर मर्ग कायम किया है। शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंप दिया गया है।

सेवादल के इस प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं में आएगा उत्साह

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 01 जुलाई 2022 (घटती घटना)।

कांग्रेस सेवादल का तीन दिवसीय सहयोगी प्रशिक्षण शिविर साधुराम सेवा कुंज में आज संपन्न हुआ। कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष अरुण ताम्रकार के उपस्थिति व जिलाध्यक्ष छत्तर लाल सांवरे के नेतृत्व में यहां पर सहयोगी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित सदस्यों को संगठन के रीति नीति से अवगत कराया गया। साथ ही पार्टी को मजबूत बनाने सभी से आह्वान किया गया। वहीं सेवादल के आवासीय प्रशिक्षण सहयोगी शिविर में बेहतर सांस्कृतिक कार्यक्रम के कई जाने-माने हस्तियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया। प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर सेवादल के सहायता शिविराधिपति कार्य अधिनायक संतोष पांडेय, महासचिव राजेश प्रसाद गुप्ता, स्वागत अधिनायक कार्य मनोज वर्मा, सरगुजा जिलाध्यक्ष शिवप्रसाद अग्रहरि, नारायण सिंह, वत्सल मेहता, संचार प्रमुख छत्तीसगढ़ प्रियंका श्रीवास्तव, महिला मुख्य संगठक मंजूलता आनंद, सी चंद्रहास, अन्नपूर्णा ध्रुव, अनित पुरी ने उपस्थिजन को संगठन के सभी गतिविधियों से अवगत कराया। शिविर में प्रदेश अध्यक्ष अरूण ताम्रकार ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण के माध्यम से जहां सेवादल के सैनिकों में नई ऊर्जा का संचार होगा, वहीं कांग्रेस भी मजबूत होगा। इस मौके पर सूरजपुर कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष छतर लाल सांवरे, जिला महामंत्री व प्रवक्ता आनंद चौधरी, जिला महामंत्री संगठन वेद प्रकाश मिश्र, यंग ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष रोहन राजवाड़े ने भी संबोधित कर प्रशिक्षणार्थियों को सेवादल की स्थापना और उसके कर्तव्यों का बोध कराया। इस दौरान अरविंद पाठक, प्रदीप अवस्थी, अशोक देवांगन, संजय साहू, निर्मल साहू, शमीम पलीहा, लखन लाल कुर्रे, अरविंद सिंह, डॉ. आरके मंडल, मिथलेश राय व अन्य उपस्थित थे।

दूसरे दिन संसदीय सचिव व विधायक पहुंचे

सेवादल कांग्रेस के सहयोगी प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रेमनगर विधायक व सविप्रा अध्यक्ष खेलसाय सिंह, संसदीय सचिव व भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े, किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री विमलेश तिवारी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अश्वनी सिंह ने भी पहुंचकर शिविर की सराहना करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती हेतु ऐसे आयोजनों की काफी जरूरत होती है।

200 बोरी रासायनिक खाद,परिवहन में प्रयुक्त ट्रक सहित 1 गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 01 जुलाई 2022 (घटती घटना)।

कोतवाली पुलिस ने अवैध रूप से रासायनिक खाद को महंगे दामों में बिक्री करने हेतु परिवहन करने के दौरान एक ट्रक सहित 1 व्यक्ति को पकड़ा है। इसके कब्जे से खाद की 200 बोरी भी जब्त की गई हैं। पुलिस ने मामले में ईसी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए ट्रक को भी जप्त किया है।

दिनांक 30.06.2022 के रात्रि गश्त के दौरान थाना प्रभारी सूरजपुर को मुखबीर से सूचना मिला कि ट्रक क्रमांक सीजी 15 सीवाई 4135 में रासायनिक खाद को ऊंचे मूल्य पर बिक्री करने जयनगर से मानी की ओर जा रहा है जिसकी सूचना से पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू को अवगत कराने पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर व एसडीओपी सूरजपुर गीता वाघवानी के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर की पुलिस ने ग्राम सपकरा में घेराबंदी कर ट्रक को रोकवाया, ट्रक की तलाशी लेने पर 200 बोरी रासायनिक खाद पाया गया। वाहन चालक संजय सिदार पिता स्व. महाबली उम्र 28 वर्ष ग्राम गोपालपुर, थाना जयनगर से खाद परिवहन व खरीदी-बिक्री करने संबंधी दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 3, 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए 200 बोरी रासायनिक खाद कुल 10 मि.टन कीमत करीब 3,38,420 रूपये एवं परिवहन में प्रयुक्त ट्रक जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर, प्रधान आरक्षक ऐसन पाल, बिजेन्दर सिंह, आरक्षक लक्ष्मी नारायण मिर्रे सक्रिय रहे।

आरसीडब्ल्यूफ ने अपने स्थापना का हीरक जयंती उत्सव मनाया

-नगर संवाददाता-

खड़गवां 01 जुलाई 2022(घटती घटना)।

मध्य भारत की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक यूनियन आरसीडब्ल्यूफ द्वारा अपने स्थापना का हीरक जयंती उत्सव सामुदायिक भवन फेडरेशन कार्यालय चिरमिरी में मनाया गया,ज्ञात हो कि आरसीडब्ल्यूफ यूनियन की स्थापना वर्ष1948 को तत्कालीन समय के मजदूर नेता पंडित राम कुमार दुबे एवं रतन लाल मालवीय जी के द्वारा की गई थी यूनियन द्वारा अपने 75 वें वर्ष मे प्रवेश करने के अवसर पर हीरक जयंती समारोह एवं जनरल काउंसिल का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का प्रारंभ सर्वप्रथम वंदे मातरम गायन और यूनियन के स्थापना करने वाले वरिष्ठ मजदूर नेता पंडित रामकुमार दुबे एवं रतन लाल मालवीय जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया तत्पश्चात यूनियन के वयोवृद्ध वरिष्ठ नेता पंडित बेनी माधव दुबे को अध्यक्ष रामानंद पांडे एवं महामंत्री प्रोफेसर भागवत प्रसाद दुबे द्वारा शाल श्रीफल भेंट करते हुए माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।आरसीडब्लूएफ के जनरल काउंसिल द्वारा ठेका श्रमिकों के हितार्थ कई प्रस्ताव लाए गए जिनमें सबसे महत्वपूर्ण ठेका श्रमिकों से खदानों में नियमित प्रकृति के स्थाई श्रेणी के कार्य कराए जाने की वजह से ऐसे कार्य को कर रहे ठेका श्रमिकों को ह्यद्गष्ह्य के स्थाई श्रमिक के रूप में नियमित किये जाने।ठेका श्रमिकों के वेतन के लिए गठित हाई पावर कमेटी के अनुशंसा के आधार पर चार अलग-अलग श्रेणियों में मजदूरों को रखा गया है परंतु ठेकेदारों द्वारा इन अलग-अलग श्रेणियों के मजदूरों का वेतन न देते हुए सभी को अकुशल श्रेणी का वेतन दिया जा रहा है और कमेटी द्वारा निर्धारित वेतन को खाते में डालने के पश्चात मजदूरों से वापस ले

लिया जाता है जिसका फेडरेशन विरोध करती है और ऐशे ठेकेदारों की जांच करने एवं कार्रवाई करने की मांग करती है,ठेकेदारों द्वारा उचित भुगतान नहीं किये जाने पर कांटेक्ट लेबर ह्र×ड्ड एक्ट 1970 के अंतर्गत एसईसीएल द्वारा मजदूरों का वेतन भुगतान किया जाए और अनियमितता बरतने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड किया जाने का प्रस्ताव पारित किया गया ।ठेका श्रमिकों के हितार्थ भारत सरकार के द्वारा प्रकाशित राजपत्र के प्रमुख बिंदुओं को ह्यद्गष्ह्य द्वारा लागू किया जाए जिसमें यह स्पष्ट रुप से लिखा हुआ है की वर्तमान में कार्य करने वाले ठेका श्रमिक उसी स्थान पर अगर संविदा के परिवर्तन होने के पश्चात नए आए हुए ठेकेदार द्वारा उनको नियोजन में आवश्यक रूप से वरीयता दिया जावेगा, इसे अनिवार्य रूप से प्रबंधन द्वारा लागू करवाया जाए , वर्तमान ठेकेदार एवं प्रबंधन सभी ठेका श्रमिकों को सेवा प्रमाण पत्र देने एवं ठेकेदार स्थानीय श्रमिकों को काम पर रखे जिनके लिए वोटर आईडी को प्रमुख दस्तावेज माना जावे ।ठेका श्रमिकों के बीच उनके हकों के आवाज उठाने वाले नेताओं को ठेकेदारों द्वारा आपस में मिलकर रोजगार से वंचित कर दिया जाता है जो कि उसके मानव अधिकार उल्लंघन का भी प्रश्न है जिस कारण इस प्रवृत्ति पर रोक लगाया जाना बहुत ही आवश्यक है इस संबंध में जनरल काउंसिल द्वारा ह्यद्गष्ह्य सेअनुरोध किया गया है कि वह अपने अंतर्गत काम करने वाले ठेकेदारों को इस गलत कार्य को करने से अंकुश लगाए जाने हेतु निर्देश जारी करें ।ठेका श्रमिको के हित रक्षार्थ ऐशे बाध्यकारी मार्गदर्शी दिशानिर्देश जारी कराने हेतु संबंधित न्यायालय एवं जहां भी आवश्यक हो एक जनहित याचिका दायर करने का प्रस्ताव पारित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामअवतार अलगमकर, दयावंत दुबे ,नासिर खान, मोहन लाल प्रजापति ,वाचस्पति दुबे, जगन्नाथ पिल्लई ,प्रदीप प्रधान, गुरभेज सिंह, राणा दास ,दिलीप जानी ,राजकुमार पूरी ,युसूफ खान, राजकुमार सोनवानी, बी के एस यादव, पूरनलाल, बलराम, हृदय सिंह, विश्वजीत पांडे, मोहम्मद जमील, प्रभाष राय, इसरार खान सहित सैकड़ों की संख्या में यूनियन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे ,कार्यक्रम का संचालन मनोज जैन द्वारा किया गया।

सेवा निवृत्त हुए एसआई के.पी.चौहान को पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने किया सम्मानित

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 01 जुलाई 2022 (घटती घटना)।

पुलिस विभाग में लगातार 39 वर्ष 7 माह तक सेवा देकर गुरूवार 30 जून 2022 को सेवा निवृत्त हुये सूरजपुर जिले में पदस्थ एसआई के.पी.चौहान को पुलिस कार्यालय में एक सादे समारोह में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू सहित पुलिस अधिकारियों ने साल-श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने कहा कि एसआई के.पी.चौहान आज सेवानिवृत्त हो रहे है, इन्होंने पुलिस विभाग में 39 वर्ष 7 माह तक अपनी सेवाएं दी है इस दौरान सरगुजा रेंज के विभिन्न जिलों में बेहतर कार्य सम्पादित किए। उन्होंने कहा कि एसआई सदैव अपने कार्यो के प्रति जवाबदेह रहे, विषम परिस्थितियों में भी चुनौतियों का डटकर सामना किया और सफलता अर्जित किया, अधिनस्थों को सहयोग व मार्गदर्शन देते हुए कर्तव्य निष्ठ रहते हुए अनुशासन को बनाए रखा। पुलिस विभाग की सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे एसआई को पुलिस अधीक्षक ने साल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित कर पेंशन स्वीकृति आदेश प्रदाय किया और बेहतर स्वास्थ्य एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर ने कहा कि एसआई का व्यवहार काफी उत्तम है, स्वभाव से सरल व मृदभाषी है, लम्बे समय तक पुलिस विभाग में सेवाएं दी है। उन्होंने एसआई को स्वस्थ, सुखमय पारिवारिक जीवन जीने और दीर्घायु होने की कामना की।

इस दौरान डीएसपी मुख्यालय नंदिनी ठाकुर, रक्षित निरीक्षक भूपेन्द्र कुर्रे, कार्यालय अधीक्षक संतोष वर्मा, स्टेनो अखिलेश सिंह, रीडर धर्मानंद शुक्ला, निरीक्षक जावेद मियांदाद, प्रमोद किस्पोट्टा, स्थापना प्रभारी पंकज नेमा, आनंद पैंकरा, अमिताभ, सुलेमान लकड़ा, एसआई नीलाम्बर मिश्रा, एएसआई विराट विशी सहित कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसईसीएल अस्पताल से माइक्रोस्कोप चोरी मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 01 जुलाई 2022 (घटती घटना)। शुक्रवार, 01 जुलाई को एसईसीएल अस्पताल भटगांव के लैब इन्चार्ज राजेश शर्मा ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 30.06.22 के शाम 6 बजे से 01 जुलाई के सुबह 8 बजे के दरम्यान कोई अज्ञात व्यक्ति एसईसीएल अस्पताल के लैब रूम में रखा 1 नग अलमाइक्रो कंपनी का माइक्रोस्कोप चोरी कर ले गया। लैब इन्चार्ज की रिपोर्ट पर धारा 457, 380 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में थाना भटगांव की पुलिस अज्ञात चोर की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर की सूचना पर संदेही विष्णु प्रसाद पिता स्व. मनोहर लाल उम्र 38 वर्ष निवासी पुराना माईनस भटगांव को हिरासत में

लेकर पूछताछ किया गया। पूछताछ पर उसने बताया कि उपचार के बहाने एसईसीएल अस्पताल गया था जहां लैब में माइक्रोस्कोप देख बिक्री करने के लिए चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर चोरी किए गए माइक्रोस्कोप कीमत 30 हजार रूपये को जप्त कर आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव शरद चन्द्रा, एसआई बृजमोहन गुप्ता, प्रधान आरक्षक संजय चौहान, सुन्दर लाल, आरक्षक रजनीश पटेल, मनोज जायसवाल, प्रकाश साहू व प्रहलाद पैंकरा सक्रिय रहे।

यूक्रेन की अहम जीत,रूस को खाली करना पड़ा काला सागर का स्नैक द्वीप

कीव, 01 जुलाई 2022। तीन महीनों से भी ज्यादा समय रूसी हमलों को झेल रहे यूक्रेन को काला सागर में अहम जीत मिली है। अपने युद्धपोतों और नौसैनिक ठिकानों पर यूक्रेन के लगातार हमलों से परेशान होकर रूस की फौजों ने काला सागर में स्थित स्नैक द्वीप खाली कर दिया है। इससे यूक्रेनी बंदरगाहों से होने वाले निर्यातों पर रूसी अवरोध खत्म हो सकेगा।

दूसरी तरफ, मॉस्को ने दावा किया कि उसने सद्भावना के तौर पर स्नैक द्वीप खाली किया है। इस बीच, अमेरिका मे सैन्य सहयोग के तौर पर यूक्रेन को 80 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त मदद देने का एलान किया है।

रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, यूक्रेन में मानवीय सहायता कार्यक्रम में बाधा न आने देने के लिए वह इस द्वीप से पीछे हटा है। दूसरी तरफ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रेय येरमक ने ट्वीट किया- तोपों और मिसाइलों के हमलों के नतीजे में रूसी फौजों को वहां से भागना पड़ा है।

दूसरी तरफ, बृहस्पतिवार को रूस ने नाटो द्वारा यूक्रेनी फौजों के आधुनिकीकरण पर सहमत होने के बाद पूर्वी यूक्रेन में हमले तेज कर दिए। रूसी सेना लिसिचंस्क से लोगों को निकालने की कोशिश में है। रूसी सेना व यूक्रेन के अलगाववादियों ने लुहांस्क के 95 फीसदी हिस्से व आधे दोनेस्क पर कब्जा कर लिया है।

पुतिन ने फिनलैंड व स्वीडन को सैन्य तैयारियों पर दी चेतावनी

नाटो सम्मेलन के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेताया है कि यदि फिनलैंड और स्वीडन ने अपने क्षेत्र में नाटो सैनिकों की तैनाती की अथवा उनके सैन्य ढांचे खड़े किए तो रूस प्रतिक्रिया करेगा। इस बीच, उधर, यूक्रेनी खुफिया विभाग के मुताबिक मॉस्को ने 144 यूक्रेनी सैनिकों को रिहा कर दिया है। पिछले माह 2,500 यूक्रेनी सैनिकों ने रूसी सेना के आगे आत्मसमर्पण कर दिया था।

मायकोलीव के भवन पर हमले में 2 की मौत

रूसी सेना ने यूक्रेन के दक्षिणी शहर मायकोलीव में एक भवन पर हमले किए। हमले में 2 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हो गई और 3 घायल हो गए। यहां के गवर्नर विटाली किम ने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि हमला बम से किया गया या मिसाइल से।

बोस्निया-हर्जेगोविना में भेजे गए ब्रिटिश सैन्य विशेषज्ञ

ब्रिटेन ने कहा है कि वह रूसी प्रभाव का मुकाबला करने और नाटो मिशन को मजबूत करने के लिए बोस्निया-हर्जेगोविना में सैन्य विशेषज्ञ भेज रहा है। ब्रिटिश पीएम ने कहा, अलगाववाद की आग को भड़काकर रूस इन देशों में पिछले तीन दशकों के लाभ को उलटना चाहता है लेकिन ब्रिटेन ऐसा नहीं होने देगा।

युद्ध प्रभावितों की मदद करेगा भारतीय मूल का ब्रिटिश उद्यमी

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय मूल के उद्यमी लॉर्ड राज लुंबा ने युद्ध प्रभावित परिवारों की मदद के लिए धन जुटाने की घोषणा की है। वे यूक्रेन से विस्थापित होकर ब्रिटेन पहुंचे लोगों को दोबारा नया जीवन शुरू करने के लिए करीब 60 हजार पाउंड जमा करेंगे।

लुंबा ने कहा, हम यूक्रेन से विस्थापित महिलाओं व उनके आश्रितों की मदद के लिए उन्हें सौ वाउचर देंगे, ताकि वे यहां की दुकानों से कपड़े और जरूरी सामान खरीद सकें। उनका लुंबा फाउंडेशन विस्थापितों की मदद के लिए पहले से काम करता रहा है।

नेपाल में सॉफ्टवेयर फर्म पर पुलिस की छापेमारी,तीन चीनी नागरिक गिरफ्तार

काठमांडु, 01 जुलाई 2022। नेपाल पुलिस ने अवैध गतिविधियों में शामिल होने के संदेह में एक फर्म पर छापा मारकर 46 लाख नेपाली रुपये के साथ कास्की जिले से तीन चीनी नागरिकों और एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। चीफ एसपी रमेश थापा ने इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस कार्यालय कास्की की एक टीम ने गुरुवार को साइबर अपराध से संबंधित गतिविधियों के संदेह में चीनी फर्म पर छापा मारा। उन्होंने कहा कि हमने पोखरा -17 के दमसाइट में किराए के घर से तीन चीनी और एक नेपाली नागरिक को 46 लाख नकद(नेपाली रुपये) के साथ छापेमारी स्थल से गिरफ्तार किया है। आरोपी जब्त करने वाले पैसे का स्रोत नहीं दिखा सके जिसे हमने जब्त कर लिया था। साथ ही, हमारी प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चीन के नागरिक यहां पर्यटक वीजा पर थे और यहां नेपाल में काम कर रहे हैं जो कि आव्रजन कानून के अनुसार प्रतिबंधित है। आगे की जांच चल रही है।

चीनी नागरिकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है- नेपाल पुलिस

पुलिस के अनुसार, जिस फर्म पर छापा मारा गया था, वह एक सॉफ्टवेयर कंपनी थी और काकानी ग्राम परिषद (गिरफ्तार नेपाली नागरिक) के निवासी सुमन तमांग के नाम पर दर्ज की गई थी। चीनी नागरिकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने कंपनी में काम करने वाले तीन चीनी नागरिकों और 75 नेपाली नागरिकों से भी पूछताछ की। बाकी कर्मचारियों को पुलिस ने जरूरत के समय सुरक्षा एजेंसियों के सामने पेश होने की अवधि के तहत रिहा कर दिया है।

नेपाल चीनी अपराधियों के लिए प्रवेश द्वार बनता जा रहा

बता दें कि नेपाल चीनी अपराधियों के लिए प्रवेश द्वार बनता जा रहा है और हिमालयी राष्ट्र ने अवैध गतिविधियों में चीनी नागरिकों की बढ़ती संलिप्तता पर चिंता जताई है। यह तब स्पष्ट हुआ जब अधिकारियों ने दिसंबर 2019 में 122 चीनी नागरिकों को भी इसी तरह के उपकरणों के साथ आपराधिक गतिविधियों में उनकी कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया - विभिन्न बैंकों के स्विफ्ट कोड की हैकिंग।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में मोबाइल, इंटरनेट बंद होने की नौबत; बिजली की किल्लत ने बढ़ाई मुश्किल

इस्लामाबाद ,01 जुलाई 2022। पाकिस्तान में बिजली की किल्लत के चलते मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद होने की नौबत आ गई है। पाकिस्तानी राष्ट्रीय सूचना तकनीकी बोर्ड (एनआईटीबी) ने इस बारे में चेतावनी भी जारी कर दी है। इस बारे में किए एक ट्वीट में एनआईटीबी ने लिखा है कि देशभर में घंटों बिजली की कटौती हो रही है। इससे परेशान टेलीकॉम ऑपरेटर्स ने मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं को बंद करने की चेतावनी दी है। बिजली की कटौती से ऑपरेटर्स को मुश्किल हो रही है और वो अपनी सेवाओं को जारी रख पाने में सक्षम नहीं हैं।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री दे चुके हैं वॉर्निंग

वहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पहले ही और ज्यादा बिजली कटौती की चेतावनी जारी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते दबाव के चलते जुलाई में और ज्यादा पॉवर क्राइसिस होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को जरूरत के मुताबिक लिक्विड नैचुरल गैस की सप्लाई नहीं मिल पा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हालांकि गठबंधन सरकार इस डील को संभव बनाने के प्रयास में लगी हुई है।

लिक्विड गैस की सप्लाई न होने से परेशानी

गौरतलब है कि पाकिस्तान लगातार पावर क्राइसिस से जूझ रहा है। अगले महीने होने वाली गैस सप्लाई की डील नहीं हो सकी है। वहीं आंकड़े लगातार यह दिखा रहे हैं कि पाकिस्तान लिक्विड गैस की सप्लाई के लिए जूझ रहा है, जबकि तेज गर्मी के बीच यहां पर इसकी सबसे ज्यादा डिमांड है। वहीं बिजली बचाने के लिए पाकिस्तान सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के काम के घंटे कम कर दिए हैं। साथ ही कराची समेत विभिन्न शहरों में शॉपिंग मॉल्स और फैक्ट्रियों को शाम से पहले बंद करने का आदेश दिया गया है।

हांगकांग चीन को सौंपे जाने के 25 साल हुए पूरे

बीजिंग ,01 जुलाई 2022। हांगकांग को अंग्रेजों द्वारा चीन को वापस सौंपे जाने के शुक्रवार को 25 साल पूरे हो गये। ब्रिटेन ने 1997 में आज के दिन हांगकांग चीन को वापस सौंपा था। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अभी हांगकांग की यात्रा पर हैं। उनकी जनवरी 2020 के बाद से देश से बाहर यह पहली यात्रा है। इससे पहले वह 2017 में 20वीं वर्षगांठ के के मौके पर हांगकांग गये थे। इस मौके पर आज हांगकांग में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है तथा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं।

अमेरिकी राजदूत रशद हुसैन ने भारत में नरसंहार का बड़ा खतरा जताया

वॉशिंगटन, 01 जुलाई 2022। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर भारतवंशी अमेरिकी राजदूत रशद हुसैन ने भारत में नरसंहार का बड़ा खतरा प्रकट किया है। उन्होंने भारत में हुई कई घटनाओं व जारी किए गए बयानों को लेकर अपनी राय प्रकट करते हुए चिंता जताई है। भारत में धार्मिक स्वतंत्रता पर एक अमेरिकी समिति के समक्ष बोलते हुए हुसैन ने कहा कि होलोकॉस्ट म्यूजियम से जुड़े अर्ली वार्निंग प्रोजेक्ट ने भारत को उन देशों की सूची में दूसरे नंबर पर रखा है, जहां सामूहिक हत्याओं का खतरा सबसे ज्यादा है।

हुसैन ने गुरुवार को कहा कि भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकार खतरे में हैं और अमेरिका इस बारे में भारत को सीधे अपनी चिंताओं से अवगत करा रहा है। हुसैन ने नागरिकता संशोधन कानून और नरसंहार के खुले आह्वानों का भी जिक्र किया। हुसैन ने समिति से कहा कि हम भारत में चर्चों पर हमले और हिजाब पाबंदी जैसे मामले देखे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक मंत्री ने तो भारत में मुस्लिमों को दीमक तक कह डाला। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी धार्मिक स्वतंत्रता पर रिपोर्ट जारी करते हुए भारत को लेकर चिंता जताने के साथ कुछ विवादित बातें कहीं थीं, जिन पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने ऐतराज जताया था। रिपोर्ट में भारत में धर्मस्थलों पर हमले के बढ़ते खतरे को लेकर भी चिंता जताई गई थी।

सभी के अधिकारों की रक्षा करनी होगी

अमेरिकी राजदूत हुसैन ने कहा कि मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों, दलितों और आदिवासियों का जिक्र करते हुए हुसैन ने कहा कि सभी लोगों के अधिकारों की रक्षा करनी होगी। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र एक ऐसा देश है जहां, अमेरिका की तरह हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम मूल्यों पर खरा उतरें ताकि सभी लोगों की समान भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

एंबेसडर-एट-लार्ज हैं हुसैन, बिहार मूल के हैं

भारतवंशी अमेरिकी वकील रशद हुसैन को बाइडन प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता का एंबेसडर-एट-लार्ज बनाया है। हुसैन बाइडन सरकार में किसी महत्वपूर्ण पद के लिए नामित पहले मुस्लिम हैं। एंबेसडर-एट-लार्ज ऐसा राजदूत होता है, जिसे विशेष जिम्मेदारियां दी जाती है, लेकिन वह किसी खास देश के लिए नियुक्त नहीं होता है। रशद हुसैन बिहार मूल के हैं। उन्हें 500 प्रभावशाली मुस्लिम लोगों में शामिल किया गया था। हुसैन वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में सहयोग और वैश्विक भागीदारी के लिए निदेशक हैं। हुसैन इससे पहले न्याय विभाग के राष्ट्रीय सुरक्षा खंड में वरिष्ठ वकील के तौर पर सेवाएं दे चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन में वह इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के लिए विशेष दूत, सामरिक आतंकवाद रोधी संचार के लिए अमेरिका के विशेष दूत रहे थे।

पाकिस्तान में भीषण बिजली संकट,अब टेलिकॉम कंपनियों ने दी इंटरनेट बंद करने की धमकी

इस्लामाबाद, 01 जुलाई 2022। पाकिस्तान में बिजली गुल होने के बीच दूरसंचार ऑपरेटरों ने मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद करने की चेतावनी दी। राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी बोर्ड (एनआईबीटी) ने ट्विटर पर कहा कि पाकिस्तान में दूरसंचार ऑपरेटरों ने देश भर में लंबे समय तक बिजली गुल रहने के कारण मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं को बंद करने की चेतावनी दी है, क्योंकि बिजली मे भारी कमी उनके संचालन में समस्या और बाधा पैदा कर रही है।

जुलाई में लोड शेडिंग का सामना- पीएम शहबाज शरीफ

बता दें कि बीते सोमवार को, पाकिस्तानी प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने देश को चेतावनी दी कि जुलाई में उन्हें लोड शेडिंग का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आवश्यक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति नहीं मिल सकी, हालांकि गठबंधन सरकार सौदे को संभव बनाने की कोशिश कर रही थी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जून में पाकिस्तान का मासिक ईंधन तेल आयात चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जैसा कि रिफाइनिटिव डेटा दिखाता है, क्योंकि देश बिजली उत्पादन के लिए एलएनजी खरीदने के लिए संघर्ष कर रहा है, जो मांग को बढ़ा रहा है।

समझौते पर बात नहीं बनने से आया बिजली संकट

अगले महीने प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर सहमत होने में विफल रहने के बाद पाकिस्तान को अपने बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। उच्च कीमत और कम भागीदारी के कारण जुलाई के लिए निविदाएं रद्द कर दी गई क्योंकि राष्ट्र पहले से ही व्यापक ब्लैकआउट से निपटने के लिए कार्रवाई कर रहा है। पाकिस्तान की सरकार ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है, सरकारी कर्मचारियों के काम के घंटों में कटौती की है और कराची सहित विभिन्न शहरों में कारखानों को शॉपिंग मॉल को जल्दी बंद करने का आदेश दिया है।

नेपालियों के लिए नौकरी का नया ठिकाना है जापान

टोक्यो , 01 जुलाई 2022। नेपाल के लोगों का नया आकर्षण जापान है। बड़ी संख्या में नेपाली जापान आकर काम की तलाश कर रहे हैं। खास कर उन्हें नर्सिंग सेंटर और दुकानों में काम मिल रहा है। जानकारों के मुताबिक ये ट्रेंड जापान में श्रमिकों की कमी को पूरा करने में सहायक बन रहा है। जापान की आबादी में युवा लोगों की कमी होती गई है। उसे देखते हुए शारीरिक श्रम वाले कार्यों में जापान को बाहरी लोगों पर आश्रित होना पड़ा है। नेपाल से आए लोगों को काम पर रखना वहां के उद्यमियों को सस्ता भी पड़ता है।

जापान पहुंचे नेपालियों में से एक 24 वर्षीय महिला ने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से कहा- 'जापान में नर्सिंग केयर कैसे होता है, उसे सीखने के लिए मैं कड़ी मेहनत करूंगी।' इस महिला को आइची नाम की जगह पर स्थित एक नर्सिंग सेंटर में नौकरी मिली है, जहां वह इसी महीने काम शुरू करेगी। इस महिला को जापान में नौकरी के अवसर की जानकारी अपने कैंसर पीड़ित दादा की देखभाल करते समय मिली। उसी दौरान उसने जापानी भाषा सीखनी शुरू की। जापान आकर उसने पहले ट्रेनिंग प्रोग्राम ज्वाइन किया। अब वह नौकरी शुरू करने की तैयारी में है।

जापान में नेपालियों का स्थान छठा

जापान के आव्रजन सेवा विभाग के मुताबिक 2021 के अंत तक जापान में 97,109 नेपाली थे। इस तरह अब जापान में मौजूद विदेशियों के बीच नेपालियों का स्थान छठा हो गया है। नेपाल से ज्यादा जिन देशों के लोग जापान में हैं, उनमें चीन, वियतनाम, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस और ब्राजील शामिल हैं।

जी-20 की बैठक जम्मू-कश्मीर में कराने की खबरों पर बौखलाया चीन,भारत को पढ़ाने लगा कानून का पाठ

बीजिंग, 01 जुलाई 2022। चीन ने त्र20 के नेताओं की अगले साल होने वाली बैठक जम्मू कश्मीर में आयोजित करने की भारत की योजनाओं की खबरों पर गुरुवार को विरोध जताया और अपने करीबी सहयोगी पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि संबंधित पक्षों को मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से बचना चाहिए। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए गुरुवार को यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि हमने प्रासंगिक जानकारी देखी है। कश्मीर पर चीन की स्थिति सुसंगत और स्पष्ट है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच एक विरासत का मुद्दा है। इसे संयुक्त राष्ट्र के प्रासंगिक प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार ठीक से हल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संबंधित पक्षों को एकतरफा कदम से स्थिति को जटिल बनाने से बचना चाहिए। हमें विवादों को बातचीत और परामर्श के माध्यम से संबोधित करने और संयुक्त रूप से शांति और स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता है।

जी-20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंचः चीन

झाओ लिजियान ने कहा कि जी-20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच है। उन्होंने कहा हम सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का आह्वान करते हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के सतत रूप से उबरने पर ध्यान दें, इस प्रासंगिक मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से बचें और वैश्विक आर्थिक शासन को सुधारने के लिए सकारात्मक योगदान दें।

क्या चीन बैठक में भाग लेगा ?

वहीं जब मीडिया ने चीनी प्रवक्ता से पूछा कि क्या चीन, जी-20 समूह के सदस्य की बैठक में शामिल होगा? तब इसका जवाब देते हुए झाओ लिजियान ने कहा कि हम बैठक में शामिल होंगे या नहीं इसपर आधिकारिक रूप से विचार करेंगे। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (क्क्य) के विवादित क्षेत्र में चीन द्वारा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का निर्माण और इस पर भारत की आपत्ति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दोनों मामले बिल्कुल अलग प्रकृति के हैं। चीन ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का विकास करने और वहां के लोगों की आजीविका सुधारने के लिए परियोजनाएं संचालित की हैं। उन्होंने कहा कि कुछ परियोजनाएं कश्मीर के उस हिस्से में हैं जो पाकिस्तान के नियंत्रण में है। परियोजनाएं चलाने वाली संबंधित चीनी कंपनियां स्थानीय लोगों की मदद के उद्देश्य से यह करती हैं ताकि उनकी अर्थव्यवस्था में विकास और आजीविका में सुधार हो।

नाटो शिखर वार्ता के बाद रूस ने यूक्रेन पर बढ़ाए हमले,पूर्वी प्रांत के एक हिस्से में कब्जा करने की कोशिश में जुटे रूसी सैनिक

कीव/स्लोवियांस्क, 01 जुलाई 2022। रूस-यूक्रेन युद्ध के 127वें दिन रूसी सेना ने बृहस्पतिवार को पूर्वी यूक्रेन में हमले तेज कर दिए। नाटो द्वारा मॉस्को को पश्चिमी सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा प्रत्यक्ष खतरा करार देने व यूक्रेनी संकटग्रस्त सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की योजना पर सहमत होने के बाद हमलों में तेजी बढ़ा दी।

यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा, रूसी सेना पूर्वी शहर लिसिचंस्क से लोगों को निकालने की कोशिश में है। इसके लिए पूर्वी प्रांत में उसने घेराबंदी करने की कोशिश भी की। उधर, नाटो सम्मेलन के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेताया है कि यदि फिनलैंड और स्वीडन ने अपने क्षेत्र में नाटो सैनिकों की तैनाती की अथवा उनके सैन्य ढांचे खड़े किए तो रूस प्रतिक्रिया करेगा। इस बीच, रूसी सेना व यूक्रेन के अलगाववादी सहयोगियों ने लुहांस्क के 95 फीसदी हिस्से व आधे दोनेस्क पर कब्जा कर लिया है। अब रूस द्वारा लिसिचंस्क पर गोले बरसाए जा रहे हैं।

ब्रिटेन ने यूक्रेन के लिए और सैन्य सहायता की घोषणा की

लंदन। बिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने नाटो नेताओं के शिखर सम्मेलन में यूक्रेन को एक अरब पाउंड की सैन्य मदद देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा, रूसी राष्ट्रपति की क्रूरता से लोगों की जान जा रही है और पूरे यूरोप में यूक्रेन की शांति व सुरक्षा को खतरा है। जॉनसन ने कहा, पुतिन इस युद्ध में उम्मीद के हिसाब से फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने कहा, वह पूरी क्षमता से यूक्रेन के साथ खड़े हैं।

युद्ध प्रभावितों की मदद करेगा भारतीय मूल का ब्रिटिश उद्यमी

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय मूल के उद्यमी लॉर्ड राज लूंबा ने युद्ध प्रभावित परिवारों की मदद के लिए धन जुटाने की घोषणा की है। वे यूक्रेन से विस्थापित होकर ब्रिटेन पहुंचे लोगों को दोबारा नया जीवन शुरू करने के लिए करीब 60 हजार पाउंड जमा करेंगे। लूंबा ने कहा, हम यूक्रेन से विस्थापित महिलाओं व उनके आश्रितों की मदद के लिए उन्हें सौ वाउचर देंगे, ताकि वे यहां की दुकानों से कपड़े और जरूरी सामान खरीद सकें।

बोस्निया-हर्जेगोविना में भेजे गए ब्रिटिश सैन्य विशेषज्ञ

ब्रिटेन ने कहा है कि वह रूसी प्रभाव का मुकाबला करने और नाटो मिशन को मजबूत करने के लिए बोस्निया और हर्जेगोविना में सैन्य विशेषज्ञ भेज रहा है। ब्रिटिश पीएम ने कहा, अलगाववाद की आग को भड़काकर रूस इन देशों में पिछले तीन दशकों के लाभ को उलटना चाहता है लेकिन ब्रिटेन ऐसा नहीं होने देगा।

मायकोलीव के भवन पर हमले में 2 की मौत

रूसी सेना ने यूक्रेन के दक्षिणी शहर मायकोलीव में एक भवन पर हमले किए। हमले में 2 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हो गई और 3 घायल हो गए। यहां के गवर्नर विटाली किम ने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि हमला बम से किया गया या मिसाइल से। उधर, यूक्रेनी खुफिया विभाग के मुताबिक मॉस्को ने 144 यूक्रेनी सैनिकों को रिहा कर दिया है। पिछले माह 2,500 यूक्रेनी सैनिकों ने रूसी सेना के आगे आत्मसमर्पण कर दिया था।

आईजी अजय यादव ने किया ट्रैफिक मैन महेश के कार्यों की सराहना,दिया 10 हजार रुपए नगद इनाम

कोरिया के आन-बान और शान यातायात की पहचान ट्रैफिक मैन महेश मिश्रा ने फिर बढ़ाया जिले का मान

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कोरिया जिले के यातायात विभाग में पदस्थ ट्रैफिक मैन के नाम से मशहूर लांस नायक महेश मिश्रा अपने द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के बल पर जिले का नाम प्रदेश व देश स्तर पर रोशन कर रहे हैं व अब तक सैकड़ों इनाम और सम्मान प्राप्त कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। इनके द्वारा यातायात जागरूकता, समाज सेवा एवं जनहित के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों से निरंतर नगर सेना व पुलिस विभाग का नाम रोशन हो रहा है जिसके फलस्वरूप पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज अजय कुमार यादव ने उत्साहवर्धन स्वरूप 10 हजार रुपए का नगद इनाम प्रदान करते हुए कहा कि इसी तरह आगे भी जनहित का कार्य करते रहें।

यातायात जागरूकता अभियान बनी पहचान

आज के दौर में जहां सड़क हादसों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा और इसे रोकने की दिशा में जिले के यातायात विभाग में पदस्थ लांस नायक महेश मिश्रा ने स्वयं के खर्च पर यातायात के प्रति जागरूकता के क्षेत्र में जिला ही नहीं संभाग एवं प्रदेश स्तर तक लगभग 500 कैंपों के माध्यम से 4 लाख लोगों को जागरूक कर अपनी अलग पहचान स्थापित किया है।

समाज सेवा बनी मिसाल

महेश मिश्रा का समाज सेवा के क्षेत्र में भी निरंतर सहभागिता रही है जिसके तहत स्वयं के खर्च से वाहन चालकों को निःशुल्क चश्मा का वितरण करना, शहर के प्रमुख चौराहे के गड्ढे को भरना, सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करना, कुपोषित बच्चों को पोषण आहार का वितरण,

यातायात जागरूकता अभियान के दौरान छात्रों एवं उपस्थित जनों को सम्मान व पुरस्कार का वितरण करना, जरूरतमंदों को रक्तदान जैसे नेक कार्य इनके द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

जिले में प्रेम की प्रतिमूर्ति व कर्तव्यनिष्ठता की मिसाल

गौरतलब है कि श्री मिश्रा अपने सरल, सहज व मिलनसार स्वभाव के कारण पूरे क्षेत्र में जाने जाते हैं बच्चों व युवाओं के बीच में इनकी अच्छी खासी पकड़ है साथ ही शहर में मिलनसार व्यक्तित्व के धनी माने जाते हैं जिसका परिणाम यह है कि पूरे शहर में सभी प्रतिष्ठानों के साथ जिले की विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य से लेकर विद्यालयीन स्टाफ, छात्र-छात्राओं, वाहन चालक व मालिकों के पास इनका मोबाइल नंबर उपलब्ध है जो कि एक हेल्पलाइन की तरह कार्य करता है।

कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज सरगुजा

:: आदेश ::

दिनांक 08/06/2022 को मेरे द्वारा जिला कोरिया का आकस्मिक विजिट किया गया। इस दौरान जिला कोरिया की यातायात शाखा में तैनात लान्स नायक क्र. 06 महेश कुमार मिश्रा द्वारा विगत कई वर्षों से निरंतर यातायात जागरूकता, समाज सेवा एवं सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर विभाग का नाम रोशन करते हुये अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण लगन, मेहनत, तत्परता एवं निष्ठा से करना पाया गया।

अतः उक्त उत्कृष्ट कार्य के फलस्वरूप लान्स नायक क्र. 06 महेश कुमार मिश्रा के उत्साहवर्धन हेतु इन्हें 10,000/-(दस हजार रु.मात्र) के नगद ईनाम से पुरस्कृत किया जाता है।

(अजय कुमार [illegible])
पुलिस महानिरीक्षक
सरगुजा रेंज

रक्षित निरीक्षक वास्ते ओ.बी. जिला कोरिया
क्रमांक-पुमनि/सर/स्टेनो/ईनाम/ 381 /2022 दिनांक 24.06.2022
प्रतिलिपि :-

01.पुलिस अधीक्षक जिला कोरिया की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही बावत्।
02.संभागीय सेनानी, नगर सेना जिला सरगुजा की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही बावत्।
03.सेनानी, नगर सेना जिला कोरिया की की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही बावत्।
04.अति.पुलिस अधीक्षक जिला कोरिया/प्रभारी यातायात शाखा जिला कोरिया की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही बावत्।
05.लान्स नायक क्र. 06 महेश कुमार मिश्रा, यातायात शाखा जिला कोरिया को सूचनार्थ।
(द्वारा-पु.अधी.कोरिया)

पुलिस महानिरीक्षक
सरगुजा रेंज

जो किसी भी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति में या यातायात संबंधी किसी प्रकार की जानकारी के लिए तथा कैरियर मार्गदर्शन के लिए उपयोग में आ रहा है। गौरतलब है कि श्री मिश्रा छोटे से पद पर रहते हुए भी अपने व्यवहार व कार्यों के बल पर सबका दिल जीत रखा है जिसका परिणाम है कि उच्च अधिकारियों का मार्गदर्शन उन्हें हमेशा मिलता रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त किए हैं विशिष्ट उपलब्धि- लांस नायक महेश मिश्रा ने अपने कर्तव्य के निर्वहन के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्नातकोत्तर की परीक्षा में संस्कृत, राजनीति विज्ञान एवं समाजशास्त्र विषय में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया है।

मिल चुके हैं सैकड़ों सम्मान

तन समर्पित मन समर्पित और यह जीवन समाज सेवा के नाम समर्पित की धारणा को जीवंत करने वाले देशभक्ति जनसेवा को चरितार्थ कर विभाग का नाम रोशन करने वाले लांस नायक महेश मिश्रा को अब तक गृहमंत्री, श्रम मंत्री, सांसद, संसदीय सचिव, विधायक गणों सहित पुलिस महानिदेशक, विशेष पुलिस महानिदेशक यातायात, पुलिस महानिरीक्षक, अध्यक्ष अंतर विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा, जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक, संभागीय एवं जिला सेनानी नगर सेना के साथ विभिन्न संस्था, संगठनों, विभागों, कार्यक्रमों में सैकड़ों सम्मान से नवाजा जा चुका है।

इंसान है या कुदरत का भेजा हुआ फरिश्ता

गौरतलब है कि आज के वर्तमान समय में लोगों की जीवन चर्या केवल अपने तक सीमित रह गई है इस दौर में भी लांस नायक महेश मिश्रा विगत 15 वर्षों से निरंतर पूर्ण समर्पण भाव से जन सेवा के कार्य में लगे हैं । समाज व देश हित का कार्य करते हुए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करा कर जिले को गौरवान्वित किया है। हमारा भी सलाम है ऐसे कर्मवीर को।

विधायक ने मुख्यमंत्री को पहनाया चांदी का मुकुट

- मुख्यमंत्री के अब तक चले आ रहे भेंट मुलाकात कार्यक्रम की सादगी में दिखी चांदी की चमक।
- क्या चांदी का मुकुट पहनाकर विधायक ने तय की अपनी विधानसभा की टिकट?
- प्रायोजित दिखा मनेंद्रगढ़ विधानसभा का मुख्यमंत्री कार्यक्रम,कहीं सादगी नजर नहीं आई।
- क्या चांदी का मुकुट सोने के निवाले के लिए या किला छोड़ आए जिला ले आए का प्रभाव तो नहीं?

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 जुलाई 2022(घटती-घटना)। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का अविभाजित कोरिया जिला सह नवनिर्मित मनेंद्रगढ़ जिला के भेंट मुलाकात के कार्यक्रम की तस्वीर, जहां विधानसभा क्रमांक 2 के विधायक विनय जयसवाल जी ने मुख्यमंत्री को चांदी का मुकुट पहनाकर स्वागत किया। पूरे प्रदेश में चल रहे भेंट मुलाकात के कार्यक्रम के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री जी का दौरा कोरिया जिला में चल रहा है। जहां पूरे प्रदेश में यह दौरा सादगी पूर्ण संपन्न हुआ, वहीं विधानसभा मनेंद्रगढ़ प्रवास के दौरान भेंट मुलाकात कार्यक्रम के सादगी में चांदी की चमक दिखाई दी। चांदी के मुकुट भेंट के बाद सोशल मीडिया में और आम लोगों के बीच चर्चाओं का दौर जारी है। जहां लोग यह कहने से नहीं चूक रहे की यह सब रेत के खेल का प्रभाव है, वहीं मनेंद्रगढ़ विधानसभा के सीमावर्ती राज्य मध्य प्रदेश के अवैध शराब का भी प्रभाव है।

चुंकि छत्तीसगढ़ विधानसभा का कार्यकाल जहां अब अवसान की ओर है, चांदी के मुकुट पहनाने की इस घटना को लोग आगामी विधानसभा में टिकट के आश्वशतीकरण को लेकर भी जोड़ रहे हैं। वहीं यह भी कयास लगाया जा रहा है की भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान यह विशिष्ट भेंट कोरिया जिला से पृथक कर मनेंद्रगढ़ जिला बनाए जाने को लेकर भी है। जिसे एक तरह से शक्ति प्रदर्शन की कवायद भी कही जा सकती है, क्योंकि जिला भले ही अलग हो गया हो परंतु अभी भी जिला मुख्यालय के लिए विवाद अपने चरमोत्कर्ष पर है।

भेंट मुलाकात का पूरा कार्यक्रम इवेंट जैसा प्रायोजन लगा

मुख्यमंत्री आदरणीय भूपेश बघेल जी की दूरदर्शिता के कारण पूरे प्रदेश में आम जनता हेतु भेंट मुलाकात का आयोजित किया जा रहा। परंतु वही मनेंद्रगढ़ विधानसभा में यह कार्यक्रम पूरी तरह से सत्ता के जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के द्वारा प्रायोजित दिखा। एक तरफ जहां लोग अपनी समस्याओं और शिकायतों को लेकर भेंट मुलाकात कार्यक्रम में अपनी शिकायत दर्ज कराना चाह रहे थे। वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा था कि मुख्यमंत्री महोदय के समक्ष किसी भी प्रकार की कोई शिकायत पहुंचने ना पाए। सादगी से विलग पूरा कार्यक्रम प्रायोजित नजर आया, जहां मुख्यमंत्री महोदय को केवल वही चीजें परिलक्षित की गई जो विगत साढ़े 3 वर्ष के कार्यकाल में उपलब्धियां कहीं जा सकती हैं। परंतु पीड़ित और शिकायतकर्ता पूरे कार्यक्रम के दौरान मुंह ताकते रह गए। इन्हें कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे नहीं दिया गया, अपितु कार्यक्रम के दौरान बोलने का मौका भी उन्हीं को मिला जिन्हें प्रशिक्षित किया गया था। इन सब कारणों की वजह से सुशासन का यह दावा जरा खोखला नजर आया।

भीड़ व शोरगुल के बीच सीएम के कान में पंहुचा लड़की के कका पुकारने की आवाज

सीएम भूपेश गाड़ी में बैठने जा रहे थे की सौ मीटर दूर से लकी ने 'कका' कहकर लगाई आवाज,फिर सीएम ने बुलाया अपने पास बुलाया

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कोरिया दौरे में आए प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत मनेन्द्रगढ़ विधानसभा का दौरा कर रहे थे, इस दौरान उन्होंने हनुमान टेकरी में हनुमान जी की पूजा अर्चना की. दर्शन के बाद जब वे मंदिर से लौट रहे थे तब स्थानीय युवती जसमीत कौर ने काका बोलकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आवाज दी, आवाज सुनकर मुख्यमंत्री ने गायक जसमीत कौर को अपने पास बुलाया, जिसके बाद जसमीत ने सीएम को एक छाया चित्र और अपना एल्बम भेंट किया।

सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि समर्थकों व भीड़ के बीच घिरे रहे मुख्यमंत्री गाड़ी में बैठने जा रहे थे कि इस बीच 100 मीटर दूर से जसमीत कौर ने आवाज लगाई काका उसके बाद काका ने उसे बुलाया और वह दौड़ कर अपने काका मुख्यमंत्री के पास पहुंच गई, काका कहना और मुख्यमंत्री के कानों में यह बात जाना ऐसा लगा कि मुख्यमंत्री ने उस भीड़ में उस आवाज को अपने लिए ही माना और आखिर वह आवाज भी उन्हीं के लिए थी। इससे पहले सीएम ने सुबह अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें सीएम ने क्षेत्र में चल रहे कार्यों की समीक्षा की, इस बीच उन्होंने अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए. जिसमें उन्होंने पौधरोपण पर जोर देने को कहा. साथ ही मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना की टाइमिंग का प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया. वहीं लोगों को योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

नगरपालिका बैकुंठपुर के सभाकक्ष में मनाया गया दो कांग्रेसी का जन्मदिवस

शासकीय कार्यालय में राजनीतिक व्यक्ति के जन्मदिवस आयोजन को लेकर उठा सवाल

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 जुलाई 2022(घटती-घटना)। बैकुंठपुर दो कांग्रेसी पदाधिकारी का जन्मदिवस नगरपालिका बैकुंठपुर के सभाकक्ष में मनाए जाने का मामला सामने आया है।

बताया जा रहा है कि दो कांग्रेसी का 30 जून को जन्मदिवस था और इस अवसर पर बैकुंठपुर नगरपालिका परिषद के कार्यालय के सभाकक्ष में दोनों के जन्मदिवस कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेसजनों उपस्थिति में किया गया, जिसे लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह सत्ता का दुरुपयोग है और शासकीय कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों का जन्मदिवस मनाया जाना कहीं से उचित नहीं कहा जा सकता। सवाल उठाने वालों का कहना है कि जिन दो कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों का जन्मदिवस नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर के सभाकक्ष में मनाया गया वह दोनों ही बैकुंठपुर नगरपालिका में किसी पद पर न तो निर्वाचित हैं और न ही दोनों किसी पद पर परिषद में कार्यरत हैं ऐसे में ऐसे लोगों का जन्मदिवस शासकीय कार्यालय के सभाकक्ष में मनाया जाना सत्ता के दुरुपयोग है और गलत है। वहीं बताया यह भी जा रहा है कि एक तरफ नगरपालिका में कार्यरत कई कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने की वजह से वह आर्थिक संकटों का सामना कर रहें हैं और एक तरफ सत्ताधारी दल के लोग उनके वेतन के लिए प्रयास न करते हुए कार्यालय में जश्न मना रहे हैं। बताया यह भी जा रहा है कि जिस समय यह आयोजन नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर के सभाकक्ष में चल रहा था तब मुख्य नगरपालिका अधिकारी भी कार्यालय में अनुपस्थित थीं वहीं उस दौरान केवल कांग्रेस पार्टी के ही लोग सभाकक्ष में मौजूद थे।

एलआईसी कार्यालय में लगी आग,महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर खाक

-नगर संवाददाता-

कोरबा 01 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। कलेक्टोरेट के बाजू में संचालित एलआईसी कार्यालय -01 में भीषण आग लग गई। जिससे कार्यालय में रखे दस्तावेज जलकर खाक हो गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने देखा की बिल्डिंग से धुआं निकल रहा है, नजदीक जाकर देखा तो पाया कि अंदर आग धधक रही है द्ब जागरूक लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी,और फिर जानकारी मिलने पर 03 दमकल घटनास्थल पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जाता है की शार्ट सर्किट के कारण कार्यालय में आग लगी। सूत्रों के अनुसार आग में एल आई सी के अनेक दस्तावेज जलकर खाक हो गए । यहाँ बताना लाजमी होगा के एलआईसी जो की मूलरूप से जीवन बीमा से संबंधित कार्य करती है, जहां लोगों द्वारा भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पॉलिसी किया जाता है,वहाँ के कार्यालय में किसी तरह का फायर अलार्म का न होना,एक सोच का विषय है,क्योंकि इन्ही पॉलिसी के माध्यम से पालिसी धारको के आने वाले भविष्य को सुरक्षित किया जाता है द्ब अब देखना यह होगा की एलआईसी कार्यालय कब तक दोबारा बनकर तैयार हो पता है, जिससे पॉलिसीधारक असुविधा से बच सकें।

विधायक गुलाब ने सलगवां कला से खुटरापारा सड़क के लिए दिलाई 2 करोड़ 43 लाख की स्वीकृति

भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में एक के बाद एक बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों की मिल रही सौगात

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सोनहत क्षेत्र को एक बार फिर बहुप्रतीक्षित विकास कार्य की सौगात मिली है। विधायक गुलाब कमरो के प्रयासों से सलगवां कला से खुटरापारा तक पक्की सड़क बनेगी। विधायक का कहना है कि आम जनता तक मूलभूत बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता से मुहैया कराने प्रदेश की संवेदनशील कांग्रेस की भूपेश सरकार पूरी तरह कृत संकल्पित है।

इस सम्बन्ध में मिली जानकारी के अनुसार सविप्रा उपाध्यक्ष एवं विधायक गुलाब कमरो की पहल पर राज्य सरकार ने वर्ष 2021-22 के बजट में शामिल भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र स्थित सलगंवाकला से खुटरापारा मार्ग निर्माण कार्य हेतु 2 करोड़ 43 लाख 46 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है। इस सड़क के बनने से सोनहत सलगवां कला, रजौली, पोड़ी, विक्रमपुर, कर्री एवं परसा बहरी के लोगों को फायदा होगा। सोनहत बाय पास के तौर पर जानी जाएगी सड़क-सलगवां कला से खुटरापारा सड़क सोनहत के बाय पास सड़क के तौर पर जानी जाएगी। इस सड़क की मांग पूर्व सरकार के 15 साल के कार्यालय से लंबित थी, लेकिन विधायक गुलाब कमरो ने इसे स्वीकृत कराकर एक बार फिर से अपना लोहा मनवाया है। वर्तमान में उक्त सड़क बहुत ज्यादा जर्जर होने से ग्रामीण जनों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही थी। लोग आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे थे। खासकर बरसात के दिनों में और ज्यादा परेशानी थी, लेकिन सड़क की स्वीकृति होने की खबर मिलते ही ग्रामीण जनों में खुशी का माहौल है। ग्रामीण जनों ने विधायक गुलाब कमरो को धन्यवाद ज्ञापित किया है। वहीं विधायक गुलाब कमरो ने बहुप्रतीक्षित विकास कार्य हेतु राशि स्वीकृत होने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, लोक निर्माण मंत्री एवं सांसद ज्योत्सना महंत का क्षेत्रवासियों की ओर से आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया है।

श्रद्धा महिला मंडल व सौम्य महिला समिति ने समाज कल्याण कार्यक्रम का किया आयोजन

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 जुलाई 2022(घटती-घटना)। श्रद्धा महिला मंडल एसईसीएल के कुशल मार्गदर्शन में 30 जून 2022 को सौम्य महिला समिति बैकुंठपुर की अध्यक्षा संगीता कापरी के नेतृत्व में बैकुंठपुर एसईसीएल क्षेत्र के झिलमिली उपक्षेत्र में समाज कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वर्षाॠतु के आरंभ होते ही ग्रामीण क्षेत्रों में बरसात के पानी से जुड़ी समस्या आ जाती है और ग्रामीण जनों के लिए यह समस्या उनके लिए प्राकृतिक आपदा के रूप में आती है। ग्रामीण परिवेश में रहने वाले लोगों के लिए सौम्य महिला समिति के द्वारा सोरगा पंचायत भवन में 30 ग्रामीण महिला पुरुषों को बारिश से बचने के लिए छतरी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी ग्रामीणजनों को स्वल्पाहार भी कराया गया। सौम्य महिला समिति ने उपस्थित लोगों को आकाशीय बिजली से बचने के विषय मे भी समझाया गया तथा मच्छर और सांप बिच्छू से सुरक्षित रहने की समझाइश भी दी गई। सौम्य महिला मंडल प्रतिवर्ष ऐसे आयोजन करती रहती है और जन जागरूकता सहित समाज हित मे सक्रिय रहती है। कार्यक्रम के दौरान झूमा मंडल, मिताली मंडल, सविता मंडल, प्रतिभा सिंह,अनु श्रीनिवास, महुआ सरकार,प्रतिमा सिंह,शिप्रा राम, संध्या रामावत, मिली भट्टाचार्य, रीना विश्वकर्मा तथा पंचायत के महिला पंच सरपंच की उपस्थिति रही।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान सौंपा ज्ञापन

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 01 जुलाई 2022(घटती-घटना)। अविभाजित कोरिया जिले के प्रवास पर नई लेदरी विश्रामगृह में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं सुनी। मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने भी मुख्यमंत्री के समक्ष अपना ज्ञापन प्रस्तुत किया और कार्यवाही की मांग की। बता दें कि 29 जून 2022 को मुख्यमंत्री मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विभिन्न ग्रामों के दौरे पर थे एवम उनका रात्रि विश्राम नई लेदरी विश्रामगृह में था और मुख्यमंत्री की चौपाल विश्रामगृह में भी लगाई गई थी। चौपाल में पहुंचे गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए उन्हें अवगत कराया कि भरतपुर सोनहत विधायक के गृह ग्राम में बन रहा गौठान नियम विरुद्ध है वहीं उन्होंने मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने में दो पत्रकारों के विरुद्ध दर्ज फर्जी प्राथमिकी की निष्पक्ष जांच की भी मांग की, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष ने पत्रकारों पर दर्ज प्राथमिकी को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की है कि दोनों ही पत्रकारों के ऊपर प्राथमिकी केवल इसलिए दर्ज की गई है क्योंकि वह नियमित रूप से निष्पक्ष समाचारों का प्रकाशन करते चले आ रहें हैं और पुलिस की दोषपूर्ण कार्यप्रणाली की भी पोल खोलते चले आ रहें हैं इसलिए उनके ऊपर प्राथमिकी दर्ज की गई है जिसको लेकर निष्पक्ष जांच की जरूरत है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से गोंडवाना यूनिवर्सिटी की स्थापना करने को लेकर भी मांग पत्र प्रस्तुत किया और अविलंब गोंडवाना यूनिवर्सिटी की स्थापना हो यह मांग रखी।

CMYK

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टी 20 एक दिवसीय श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा की

मुंबई , 01 जुलाई 2022। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा की।

पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन और टी20 सीरीज की शुरूआत के बीच कम समय को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने 20 ओवर के तीन मैचों के लिए दो अलग-अलग टीमों का चयन किया है।

रोहित शर्मा कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद एजबेस्टन टेस्ट से बाहर हो गए थे। वह इंग्लैंड के खिलाफ 7 जुलाई से साउथेम्प्टन में शुरू होने वाली टी 20 आई और एकदिवसीय श्रृंखला दोनों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए वापसी करेंगे।

पहले टी20 के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई , भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक

दूसरे और तीसरे टी20 के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, हर्षल पटेल, उमरान मलिक

3 एकदिवसीय मैचों के लिए भारत की टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह , प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

नीरज चोपड़ा ने 89.94 मीटर भाला फेंककर तोड़ा अपना ही नेशनल रिकॉर्ड

बोले-अगला पड़ाव यूजीन का विश्व चैंपियनशिप

टोक्यो, (स्टॉकहोम), 01 जुलाई 2022। भारत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा लगातार अपने खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए एक के बाद एक मैडल अपने नाम कर रहे हैं और देश का नाम ऊंचा कर रहे हैं। नीरज चोपड़ा लगातार जैवलिन थ्रो में अपना रिकॉर्ड तोड़ते जा रहे हैं। हाल ही में नीरज ने 14 जून को तुर्कु में हुए पावे नुरमी खेल के दौरान 89.30 मीटर दूर भाला फेंककर नया रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद कल ही स्टॉकहोम में खेली गई डायमंड लीग में नीरज ने पहले ही प्रयास में 89.94 मी. दूर भाला फेंककर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया और इसी के साथ उन्होंने इस गेम में सिल्वर मैडल जीत लिया। वहीं, ग्रेनेडियन एंडरसन पीटर्स ने 90.31 मीटर दूर भाला फेंककर गोल्ड मैडल हासिल किया। नीरज चोपड़ा ने इस वीडियो को ट्वीट करते हुए लिखा - अगला पड़ावे यूजीन में विश्व चैंपियनशिप में का प्रतिनिधित्व करना।

अमेरिका में बजरंग के साथ दीपक पुनिया लेंगे ट्रेनिंग

नई दिल्ली, 01 जुलाई 2022। तोक्यो ओलंपियन पहलवान दीपक पुनिया राष्ट्रमंडल गेम्स से पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में मिशिगन विश्वविद्यालय में सरकार द्वारा वित्त पोषित ट्रेनिंग कैंप के लिए हमवतन और तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया के साथ शामिल होंगे।

केंद्रीय खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) मिशिगन विश्वविद्यालय में 30 जुलाई तक चलने वाले शिविर के लिए दो पहलवानों के प्रशिक्षण, यात्रा, दैनिक खर्च और बोर्डिंग के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। बजरंग के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ आनंद, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने एक विज्ञप्ति में बताया कि वह विदेशी शिविर के दौरान दीपक की जरूरतों को भी पूरा करेंगे।

संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रशिक्षण कार्यकाल दो पहलवानों को राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैम्पियनशिप जैसी आगामी प्रमुख प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में मदद करेगा। बजरंग और दीपक दोनों अब यूके वीजा (सीडब्ल्यूजी के लिए) की प्रतीक्षा कर रहे हैं और जल्द ही यूएसए के लिए प्रस्थान करेंगे।

इस हफ्ते की शुरुआत में, दीपक पुनिया ने किर्गिस्तान के बिश्केक में अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2022 में 86 किग्रा फ्रीस्टाइल भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने पदक के लिए कजाकिस्तान के मकस्त सत्यबाल्डी को हराया था।

टेस्ट मैच में एक साथ एक मैदान पर कोहली और जेम्स एंडरसन दोबारा नजर नहीं आएंगे?

नई दिल्ली, 01 जुलाई 2022। टेस्ट मैच में एक साथ एक मैदान पर विराट कोहली और जेम्स एंडरसन शायद दोबारा नजर नहीं आएंगे। शायद ऊपर लगी तस्वीर जैसा मंजर भी दोबारा नहीं दिखेगा जो बर्मिंघम में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज के पांचवें रिशेड्यूल टेस्ट मैच में नजर आया है। शायद आखिरी बार कोहली और एंडरसन आमने - सामने इस मुकाबले में एकबार फिर से महान भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और लीजेंड्री इंग्लिश फास्ट बॉलर जिमी एंडरसन एक दूसरे के आमने ङ्क सामने खड़े हैं। दुनिया के सबसे सफल तेज गेंदबाज 29 दिनों में 40 साल के हो जाएंगे। वह उम्र के जिस मुकाम पर खड़े हैं, कभी भी संन्यास ले सकते हैं। आमतौर पर किसी बल्लेबाज के लिए भी उम्र के इस पड़ाव पर इंटरनेशनल क्रिकेट में टिके रहना बेहद मुश्किल होता है, एंडरसन तो तेज गेंदबाज हैं, जिस विधा में सबसे ज्यादा ऊर्जा झोंकने की जरुरत होती है। ऐसे में, इस मुकाबले के बाद एंडरसन फिर से कभी किसी टेस्ट में कोहली को गेंद डाल पाएंगे इसकी संभावना न के बराबर है। आखिरी टेस्ट में कोहली के पास पुराना हिसाब चुकता करने का मौका भारत और इंग्लैंड के बीच 2022 में दूसरा कोई और टेस्ट मैच नहीं खेला जाएगा। सर्वाधिक 651 टेस्ट विकेट ले चुके एंडरसन अगले साल आने वाले शेड्यूल का इंतजार करने की स्थिति में भी नहीं हैं। हालात का इशारा यही है कि विराट को एंडरसन के खिलाफ जो करना है, वो एजबेस्टन में जारी इसी मैच में करना होगा।

इंग्लिश फास्ट बॉलर ने अब तक इंग्लैंड की पिच पर 13 टेस्ट मैच में कोहली के खिलाफ गेंदबाजी की है और छह बार उन्हें पवेलियन भी भेजा है। विराट इन 13 मुकाबलों में 20 बार तेज गेंदबाज का शिकार बने हैं, जिसमें एक तिहाई मौके पर उनका शिकार एंडरसन ने किया है। मौजूदा सीरीज में कोहली दो बार हुए एंडरसन के शिकार बर्मिंघम में खेला जा रहा मुकाबला पिछले साल शुरू हुई पांच टेस्ट की सीरीज का अंतिम मैच है। इस सीरीज में अब तक हुए चार मैच में एंडरसन दो बार विराट को पवेलियन भेज चुके हैं। कोहली इस सिलसिले को रोकना चाहेंगे। 2014 में पांच टेस्ट की सीरीज में चार बार आउट होने के साथ कोहली और एंडरसन की राइवलरी शुरू हुई थी। जो इस मैच में अपने चरम या कहें तो अपने अंतिम मुकाम पर पहुंच चुकी है। शुरुआत एंडरसन ने की थी, हो सकता है इसका अंत कोहली करें।

निर्णायक टेस्ट में इस खिलाड़ी ने तोड़ा टीम इंडिया का भरोसा

नई दिल्ली, 01 जुलाई 2022। इस टेस्ट मैच में भारत के कप्तान रोहित शर्मा और ओपनिंग बल्लेबाज केएल राहुल दोनों ही नहीं खेल रहे हैं. ऐसे में शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा को ओपनिंग के लिए उतारा गया. शुभमन गिल ने इस सुनहरे मौके को बर्बाद कर दिया. शुभमन गिल से टीम इंडिया को अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने भारतीय टीम का भरोसा तोड़ दिया. शुभमन गिल 24 गेंदों पर 17 रन बनाकर आउट हो गए और टीम इंडिया को बीच मझधार में छोड़कर चलते बने. शुभमन गिल इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन की गेंद पर चूक गए और जैक क्राउली को कैच देकर चलते बने. शुभमन गिल इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन की अंदर आती गेंद पर गच्चा खा गए, शुभमन गिल ने जैसे ही बल्ला घुमाया, गेंद स्लिप में जैक क्राउली की ओर चली गई और उन्होंने आसान सा कैच लेकर शुभमन गिल को पवेलियन लौटा दिया. शुभमन गिल 17 रन बनाकर आउट हुए. शुभमन गिल ने इस सुनहरे मौके को बर्बाद कर दिया. अब अगली बार शुभमन गिल को ओपनिंग में कब मौका मिलेगा ये कहना मुश्किल है, क्योंकि तब रोहित शर्मा और केएल राहुल जैसे दिग्गज बल्लेबाज टीम इंडिया की पहली पसंद होंगे.

जल्द बनेगी हेरा फेरी 3,कहानी तैयार है

शायद ही कोई बॉलीवुड प्रशंसक हो जिसे अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की ऑनस्क्रीन तिगड़ी न पसंद हो। हम बात कर रहे हैं फिल्म हेरा फेरी की स्टार कास्ट की। इस कल्ट कॉमेडी ड्रामा के प्रशंसकों के लिए अब एक खुशखबरी है। हेरा फेरी के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने एक हालिया इंटरव्यू में पुष्टि की है कि इस फ्रैंचाइजी की अगली फिल्म पर काम चल रहा है। जल्द ही हेरा फेरी 3 की घोषणा हो सकती है। हेरा फेरी 3 शायद बॉलीवुड की सबसे ज्यादा प्रतीक्षित सीचल है। रिपोर्ट के अनुसार हेरा फेरी 3 में इस फ्रैंचाइज की पुरानी तिगड़ी फिर से नजर आएगी। फिरोज ने कहा, आपको यह जल्द ही देखने को मिलेगी पुरानी स्टारकास्ट, अक्षय जी, सुनील जी और परेश भाई के साथ। निर्माता के अनुसार फिल्म की कहानी तैयार है और कुछ अन्य चीजों पर काम चल रहा है। हालांकि, अभी तक फिल्म का निर्देशक तय नहीं है।

फिरोज ने बताया कि मूल किरदार पहले वाले ही रहेंगे। कहानी में उनकी सरलता और मासूमियत को वैसे ही दिखाया जाएगा। बकौल फिरोज, हम पिछली सफलताओं को हल्के में नहीं ले सकते। हमें अपने कॉन्टेंट, कहानी और स्क्रीनप्ले को लेकर ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। हेरा फेरी 3 का दर्शकों को काफी समय से इंतजार है। विशेषज्ञों के अनुसार फिल्म रिलीज के पहले दिन ही करीब 60 करोड़ रुपये कमा सकती है। इसलिए निर्माता पर जिम्मेदारी भी ज्यादा है।

फिल्म हेरा फेरी 2000 में रिलीज हुई थी। फिल्म के किरदार, राजू, श्याम और बाबू भइया आज भी हास्य की दुनिया के बादशाह हैं। इनके अलावा फिल्म में ओमपुरी, गुलशन ग्रोवर, कुलभूषण खरबंदा और असरानी जैसे कलाकार भी नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। इसके बाद फिल्म का सीचल फिर हेरा फेरी 2006 में आई। इस फिल्म में महिला किरदारों को भी हिस्सा बनाया गया। अब लोगों को हेरा फेरी 3 का इंतजार है।

सुनील शेट्टी लंबे समय से किसी बॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आए हैं। खबर है कि जल्द ही वह एक नए रिएलिटी शो को जज करने वाले हैं। यह भारत का पहला स्पोर्ट्स रिएलिटी शो होगा।

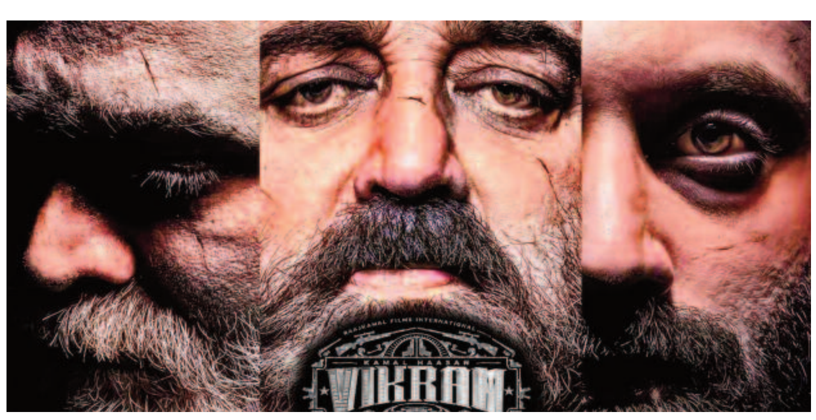

कमल हासन की विक्रम 8 जुलाई को ओटीटी पर होगी रिलीज

अभिनेता कमल हसन स्टारर विक्रम, जो दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में 400 करोड़ रुपये की कमाई के बाद भी मजबूत हो रही है, का दुनिया भर में ओटीटी प्रीमियर डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 8 जुलाई को होगा।

लोगों की तारीफों से सराबोर विक्रम लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म ने न केवल भारतीय व्यापार जगत को प्रभावित किया है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों को भी अचंभित कर दिया है।

लोकेश कनगराज द्वारा लिखित और निर्देशित, कमल हासन, विजय सेतुपति, फहद फासिल और सूर्या स्टारर फिल्म की दुनियाभर में नाटकीय रिलीज 3 जून, 2022 को हुई थी। फिल्म ने एक ब्लॉकबस्टर ओपनिंग की और थिएटर जल्द ही कार्निवल का स्थान बन गए, रिलीज के तीन-चार सप्ताह बाद भी हाउस-फुल शो का परिदृश्य जारी रहा।

विक्रम ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और आधिकारिक तौर पर तमिलनाडु में नंबर एक टॉप ग्रॉसर बन गई है। यह एक ऐसा तथ्य है जिसकी पुष्टि निमार्ताओं, वितरकों और प्रदर्शकों ने की है। अब, फिल्म का दुनिया भर में ओटीटी प्रीमियर डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 8 जुलाई से होना है। यह फिल्म 8 जुलाई से तमिल, तेलुगू और हिंदी में उपलब्ध होगी।

कैटरीना कैफ स्टारर फोन भूत का वीडियो आया सामने

सिद्धांत चतुर्वेदी, ईशान खट्टर और कैटरीना कैफ अभिनीत आगामी हॉरर कॉमेडी फोन भूत का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में फिल्म से संबाधित जानकारी है।

फोन भूत रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है।

फिल्म के थीम ट्रैक के साथ वीडियो यूनिट को साझा करते हुए, निर्माता मंगलवार को फिल्म की नाटकीय रिलीज का खुलासा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

मुख्य अभिनेताओं की विशेषता वाले अपने पहले लुक के साथ, ये फिल्म अपने कमाल दिखाने के लिए तैयार है।

फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और इसे रवि शंकरन और जसविंदर सिंह बाथ ने लिखा है।

जैजी बैलेरिनी ने अपने करियर को लेकर किया खुलासा

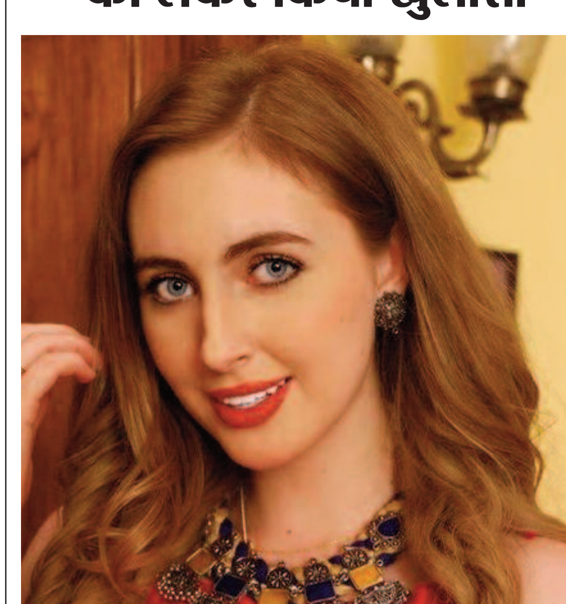

टेलीविजन का नए शो आनंदी बा और एमिली के साथ भारतीय टेलीविजन उद्योग में अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री जैजी बैलेरीनी ने पिछले कुछ वर्षो में कई भूमिकाओं के लिए 500 से अधिक बार ऑडिशन दिया है। जैजी शो में एक विदेशी बहू की भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

जैजी आनंदी बा और एमिली में अपनी भूमिका के लिए ऑडिशन प्रक्रिया पर कहती है, मुझे वास्तव में ऑडिशन देने से पहले टीवी शो की ज्यादा समझ नहीं थी। लेकिन मैं भूमिका के बारे में और जानने के लिए उत्साहित था। मैं इसके बारे में और जानना चाहता था। आनंदी बा पर मेरी भूमिका के लिए ऑडिशन प्रक्रिया और एमिली बहुत आसानी से चली। भले ही यह लॉकडाउन के समय के दौरान था। कुछ ही दिनों में मुझे एमिली की भूमिका के लिए पक्का कर दिया गया।

मैं ईमानदारी से नहीं जानती था, उस समय, मैं अपने आप में क्या कर रहा था। मुझे नहीं पता था कि यह अवसर वास्तव में कितना अद्भुत है जब तक मैंने फिल्म बनाना शुरू नहीं किया। जब मैंने अपने दोस्तों से इसके बारे में बात की, तो वे वास्तव में सहायक थे और बताया मुझे लगता है कि स्टार प्लस के पास सबसे अच्छे कंटेंट और धारावाहिकों में से एक है। इसलिए, मैं इस शो का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं।

यह एक परिवार में होने वाली अराजकता की कहानी है जब एक फिरंगी बहू परिवार में प्रवेश करती है और आनंदी बाउससे छुटकारा पाने की कोशिश करती है। स्टार प्लस पर 27 जून से आनंदी बा और एमिली जारी है।

संक्षिप्त समाचार

उदयपुर की घटना का विरोध 2 जुलाई को छत्तीसगढ़ बंद

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल को व्यापारिक संगठनों ने दिया समर्थन

रायपुर, 01 जुलाई 2022। उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की जघन्य हत्या के विरोध में 2 जुलाई को रायपुर समेत प्रदेश भर में बंद का आह्वान किया गया है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल मिलकर इस बंद का आह्वान किया है।

बंद की जानकारी देते हुए बजरंग दल नेता रवि वाधवानी ने बताया कि 2 जुलाई को छत्तीसगढ़ बंद रखा गया है। इस दौरान तमाम व्यापारिक गतिविधियां बंद रहेंगी। रवि ने दावा किया है कि छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स का भी उन्हें साथ मिल रहा है, व्यापारिक संगठनों के सहयोग से पूरा प्रदेश 2 जुलाई को बंद रहेगा।

सुकमा में जवानो को मिली बड़ी सफलता, 5 लाख के इनामी नक्सली को किया ढेर

सुकमा, 01 जुलाई 2022। शुक्रवार की सुबह सुकमा जिले में मनकापाल के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में डीआरजी के जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया है।

मिली जानकारी के अनुसार इस मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की शिनाख्त एरिया कमेटी मेंबर कमलेश के रूप में की गई है। मारे गए इस नक्सली पर 5 लाख रूपए का इनाम रखा गया था। पुलिस और नक्सलियों की इस मुठभेड़ में कई नक्सली घायल हुए हैं तो वही जवानों ने हथियार समेत भारी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद किए हैं।

बता दें कि प्रदेश में इस वक्त ऑपरेशन मॉनसून चलाया जा रहा है। इसी ऑपरेशन के तहत डीआईजी के जवानों को सर्चिंग के दौरान नक्सलियों का सामना करना पड़ा। सर्चिंग में निकले डीआरजी के जवान को मनका पाल के जंगलों में पहले से ही घात लगा कर बैठे नक्सलियों ने देखते ही अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद जवानों ने मोर्चा संभालते हुए नक्सलियों की गोलीबारी का मुंह तोड़ जवाब दिया और एक नक्सली को मार गिराया। वही जवानों को भारी पड़ता देख बाकी नक्सली जंगल में वापस भाग गए।

ब्लेडबाज आशिक गिरफ्तार, युवती के घर में घुसकर किया था हमला

कांकेर, 01 जुलाई 2022। युवती द्वारा मोबाइल पर काल रिसीव नहीं करने से नाराज सिरफिरे युवक लोकेश साहू ने युवती के घर में घुसकर प्यार का इजार किया और युवती के साथ मारपीट कर उस पर ब्लेड से जानलेवा हमला कर दिया। बीच बचाव के लिए पहुंची युवती की छोटी बहन और पड़ोसी युवक पर भी सिरफिर युवक ने ब्लेड से जानलेवा हमला कर दिया। पीड़िता ने घटना की रिपोर्ट पुलिस थाने में की। पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर लिया है। तीस वर्षीय युवती जो पति की मृत्यु के बाद अपनी छोटी बहन और दो बच्चों के साथ शहर के एक मोहल्ले में रहती है। जिसका लगभग छह माह से चारामा क्षेत्र के ग्राम सिरसिदा निवासी लोकेश साहू से जान पहचान दोस्ती होने से वह एक-दूसरे से बातचीत करते थे। 29 जून को युवती को लोकेश साहू उसके मोबाइल पर बार-बार फोन कर रहा था। लेकिन युवती ने फोन नहीं उठाया।

जिस पर लोकेश साहू रात लगभग पौने ग्यारह बजे शराब के नशे में युवती के घर पहुंच गया। उस समय युवती, उसकी बहन व बच्चे घर के अंदर थे।

सीएम बघेल ने की छेरापहरा की रस्म से श्री जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत,पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना

रायपुर, 01 जुलाई 2022। मुख्यमंत्री ने जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना कीमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज यहां गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में छेरापहरा की रस्म पूरी कर सोने की झाडू से बुहारी लगाकर रथ यात्रा की शुरुआत की। इसके पहले मुख्यमंत्री ने यज्ञशाला के अनुष्ठान में सम्मलित हुए और हवन कुण्ड की परिक्रमा कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने श्री जगन्नाथ मंदिर में महाप्रभु जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की आरती की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली तथा प्रदेश में अच्छी बारिश की कामना की।

उल्लेखनीय है कि भगवान जगन्नाथ ओडिशा और छत्तीसगढ़ की संस्कृति से समान रूप से जुड़े हुए हैं। रथ-दूज का यह त्यौहार ओडिशा की तरह छत्तीसगढ़ की संस्कृति का भी अभिन्न हिस्सा है। छत्तीसगढ़ के शहरों में आज के दिन भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकालने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। उत्कल संस्कृति और दक्षिण कोसल की संस्कृति के बीच की यह साझेदारी अटूट है। ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ का मूल स्थान छत्तीसगढ़ का शिवरीनारायण-तीर्थ है। यहीं से वे जगन्नाथपुरी जाकर स्थापित हुए।

शिवरीनारायण में ही त्रेता युग में प्रभु श्रीराम ने माता शबरी के मीठे बेरों को ग्रहण किया था। यहाँ वर्तमान में नर-नारायण का मंदिर स्थापित है। शिवरीनारायण में सतयुग से ही त्रिवेणी संगम रहा है, जहां महानदी, शिवनाथ और जोंक नदियों का मिलन होता है। छत्तीसगढ़ में भगवान राम के वनवास-काल से संबंधित स्थानों को पर्यटन-तीर्थ के रूप में विकसित करने के लिए शासन ने राम-वन-गमन-परिपथ के विकास की योजना बनाई है। इस योजना में शिवरीनारायण भी शामिल है। शिवरीनारायण के विकास और सौंदर्यीकरण से ओडिशा और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक साझेदारी और गहरी होगी।

छत्तीसगढ़ में भगवान जगन्नाथ से जुड़ा एक महत्वपूर्ण क्षेत्र देवभोग भी है। भगवान जगन्नाथ शिवरीनारायण से पुरी जाकर स्थापित हो गए, तब भी उनके भोग के लिए चावल देवभोग से ही भेजा जाता रहा। देवभोग के नाम में ही भगवान जगन्नाथ की महिमा समाई हुई है।

बस्तर का इतिहास भी भगवान जगन्नाथ से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। सन् 1408 में बस्तर के राजा पुरुषोत्तमदेव ने पुरी जाकर भगवान जगन्नाथ से आशीर्वाद प्राप्त किया था। उसी की याद में वहां रथ-यात्रा का त्यौहार गोंचा-पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस त्यौहार की प्रसिद्धि पूरे विश्व में है। उत्तर-छत्तीसगढ़ में कोरिया जिले के पोड़ी ग्राम में भी भगवान जगन्नाथ विराजमान हैं। वहां भी उनकी पूजा अर्चना की बहुत पुरानी परंपरा है।

ओड़िशा की तरह छत्तीसगढ़ में भी भगवान जगन्नाथ के प्रसाद के रूप में चना और मूंग का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस प्रसाद से निरोगी जीवन प्राप्त होता है। जिस तरह छत्तीसगढ़ से निकलने वाली महानदी ओडिशा और छत्तीसगढ़ दोनों को समान रूप से जीवन देती है, उसी तरह भगवान जगन्नाथ की कृपा दोनों प्रदेशों को समान रूप से मिलती रही है।

नक्सलियों ने निर्माण कार्य में लगी 6 वाहनों को फूंका,मजदूरों को दी काम बंद करने धमकी

जगदलपुर, 01 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर गढ़चिरौली जिले में गुरुवार देर रात सड़क और पुल निर्माण काम में लगे 6 वाहनों को नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया है। साथ ही मजदूरों को काम बंद करने धमकी भी दी है। मामला जिले के नारगुंडा थाना क्षेत्र का है। नक्सलियों के उत्पात के बाद अभी निर्माण काम बंद है। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे भामरागढ़ तहसील के एक अंदरूनी गांव में पिछले कई दिनों से सड़क और पुल निर्माण का काम चल रहा था। नक्सलियों ने काम बंद करने की चेतावनी भी दी थी।

काम बंद नहीं हुआ तो देर रात भारी संख्या में नक्सली मौके पर पहुंच गए। निर्माण स्थल पर मौजूद मजदूरों और मुंशी को बंधक बनाया। फिर सभी से मोबाइल फोन ले लिया। वाहनों में आग लगाने के बाद माओवादियों ने सभी का फोन लौटा दिया। फिर सभी हथियारबंद माओवादी जंगल की तरफ लौट गए।

नवपदस्थ कलेक्टर राहुल देव ने संभाला कार्यभार

मुंगेली, 01 जुलाई 2022। मुंगेली जिले में नवपदस्थ कलेक्टर राहुल देव ने आज 1 जुलाई को कार्यभार संभाल लिया। नवपदस्थ कलेक्टर राहुल देव 2016 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। नवपदस्थ कलेक्टर श्री राहुल देव इससे पहले जांजगीर-चांपा जिले में अपर कलेक्टर, सूरजपुर और नारायणपुर में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कोरबा में नगर निगम आयुक्त के पद पर पदस्थ थे। कलेक्टर श्री देव की पहली कलेक्टर के रूप में मुंगेली जिले में पदस्थापना हुई है। राहुल देव मुंगेली जिले के दसवें कलेक्टर हैं। नवपदस्थ कलेक्टर राहुल देव के कार्यभार संभालने पर अपर कलेक्टर तीर्थराज अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर नवीन भगत एवं जिला कोषालय अधिकारी श्री रूपेश पाठक द्वारा गुलदस्ता भेंट कर अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

जमीन पर दौड़ने लगी मालगाड़ी का वैगन, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

भिलाई, 01 जुलाई 2022। रेलवे के भिलाई 3 स्थित पीपी यार्ड में शुक्रवार को मालगाड़ी का एक वैगन पटरी से उतर गया। वैगन उसी स्थिति में काफी दूर तक खींचता चला गया। झटके का अहसास होने पर मालगाड़ी के चालक ने किसी तरह ब्रेक लगाकर बड़ी दुर्घटना को रोका। घटना के दौरान एक ही वैगन के पहिए पटरी से उतरे हुए थे। पीछे अथवा सामने चल रहे अन्य वैगन प्रभावित नहीं हुए। अन्यथा बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

पीपी यार्ड में भिलाई इस्पात संयंत्र एवं पुरेना स्थित एनटीपीसी एवं सेल के संयुक्त उपक्रम एनएसपीसीएल में कोयला लेकर आने वाले वैगनों की जांच की जाती है। हर दिन 12 से 18 मालगाड़ी यहां पहुंचती है। यहां पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी है। घटना की जानकारी लगने के बाद बीएमवाई चरोदा से रेलवे की रिलीफ ट्रेन कर्मियों के साथ पीपी यार्ड पहुंच गई थी। घटना कैसे हुई यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

हमने क्या बिगाड़ा था पापा ऐसी क्या मज़बूरी थी की पत्नी सहित दो बच्चे को उतारा मौत के घाट,फिर खुद झुल गया फांसी पर

भिलाई, 01 जुलाई 2022। दुर्ग जिले से बड़ी खबर है। एक युवक ने अपनी पत्नी को मौत का घाट उतार दिया। उसके बाद दो बच्चों की जान ले ली। फिर युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। पूरा मामला उतई थाना क्षेत्र की है।

बताया जा रहा है कि युवक ने एक दिन पहले परिवार के साथ मिलकर पत्नी का जन्मदिन मनाया था। फिर ऐसी क्या मजबूरी हो गई कि पूरे परिवार को मौत की नींद सुला दी।

उतई टीआई मोनिका पांडेय ने बताया कि घटना थाना क्षेत्र के उमरपोटी गांव में हुआ है। यहां भोजराम साहू पिता भूरेलाल साहू (32) अपनी पत्नी ललिता साहू (28), बेटा प्रवीण (4) और डिकेन्द्र साहू (2) के साथ रहता है। घर में भोजराम के मां बाप व बड़े भाई का परिवार भी रहता है। वह बीएसपी प्लांट में मजदूरी करता था। दो दिन पहले वह बुधवार को ललिता का जन्मदिन था।

पत्नी ने दोपहर में खाना बनाया खाया और बच्चों के साथ सोने चली गई। इसी दौरान भोजराम उनके पास गया और मोबाइल चार्जिंग वायर से पत्नी और बड़े बेटे का गला घोंट दिया। जब दोनों की मौत हो गई तो उसके बाद छोटे बेटे की तकिया से मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद पत्नी की साड़ी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

देर शाम 7.30 बजे तक जब भोजराम के कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो उसके बड़े भाई ने खिड़की से झांककर देखा तो उसके उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। इसके बाद उसने पुलिस को मामले की सूचना दी।घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। हजारों की संख्या पूरी रात भीड़ लगी रही।

नौकरी लगाने का झांसा देकर लाखों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, 01 जुलाई 2022। रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले शातिर आरोपी को बिलासपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी के खिलाफ ठगी के 6 प्रकरण दर्ज हैं, जिसमें 45 लाख से ज्यादा की ठगी की गई है. आरोपी से 1 लाख नगद, लैपटॉप, मोबाइल सहित एटीएम जब्त किया गया है.

बीते दिनों हेमुनगर निवासी भरत यादव और प्रकाश यादव की पहचान आरोपी आशीष पात्रो से हुई थी, जिसमें आशीष ने रेलवे में नौकरी लगाने का झांसा देते हुए उनसे 8 लाख रुपए लिया था. बाद में नौकरी नहीं लगने पर प्रार्थियों ने तोरवा थाने में आशीष पात्रो के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई.

जगह बदलकर रह रहा था आरोपी

पुलिस मामले की जांच कर रही थी. इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी ओडिशा और रायगढ़ में जगह बदलकर रह रहा है. तोरवा पुलिस ने टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी की और रायगढ़ में दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया. आरोपी से नगद 1 लाख रुपए, लैपटॉप, मोबाइल व एटीएम जब्त किया है. आरोपी के खिलाफ करीब 6 ठगी के प्रकरण दर्ज हैं, जिसमें 45 लाख से ज्यादा की ठगी की गई है.।

21 पाऊच अवैध देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

कोमाखान, 01 जुलाई 2022। पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति बोईरगांव से पतेरापाली मार्ग बोईरगांव पुलिया के पास अवैध शराब बिक्री कर रहा है पुलिस स्टाफ मुखबीर के बताये हुये स्थान पहुंच कर घेराबंदी कर शराब बिक्री करने वाले को पकड़ा गया । जिनका नाम पता पूछने पर अपना नाम पूरन लाल साहू पिता स्व. श्यामलाल साहू उम्र 34 वर्ष ग्राम बोईरगांव थाना कोमाखान का रहने वाला बताया।

उसके कब्जे में रखे एक पीले लाल रंग की प्लास्टिक झोला के अंदर उड़ीसा राज्य निर्मित देशी महुआ शराब जेब्रा छाप 21 पाऊच प्रत्येक पाऊच में 200-200 एम.एल. भरी हुई जुमला शराब 4200 एम.एल. कीमती 1250/-रूपये, एवं शराब बिक्री रकम 350/- रूपये को जप्त कर आरोपी पूरन लाल साहू का कृत्य अपराध धारा 34(1) (ब) आबकारी एक्ट का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने चलाई थी गोलियां,17 मजदूरों की बिछी थी लाश

भिलाई, 01 जुलाई 2022। देश के कई रेलवे स्टेशनों पर गोली की बात आपने सुनी और पढ़ी होगी। सबसे भयानक गोली कांड भिलाई पॉवर हाउस रेलवे स्टेशन पर हुआ था। एक नहीं बल्कि 17 मजदूर पुलिस की गोलियों से छलनी कर दिए गए थे। इस कांड को तीन दशक यानी 30 साल बीत चुके हैं, लेकिन परिजनों और श्रमिक संगठनों का जख्म आज भी हरा हैज। पॉवर हाउस रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर बरसी मनाई जा रही है। लाइन से 17 मजदूरों की फोटो लगी हुई हैज। स्टेशन पर उतरने वाले यात्री भी यह देखकर अवाक हैंज। श्रद्धांजलि देने वालों की कतार लगी हुई है। सरकार बदली, सत्ता बदला लेकिन व्यवस्था नहीं बदली। आज भी मजदूरों की हालत बदहाल है। शोषण बदस्तूर जारी है। अविभाजित मध्य प्रदेश के भाजपा के कद्दावर नेता व तत्कालीन मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के शासन काल में 1 जुलाई 1992 को गोली कांड हुआ था। भिलाई एवं आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूर अपनी बुनियादी मांगों को लेकर लगातार हड़ताल कर रहे थे।

सीटू के सहायक महासचिव टी.जोगा राव बताते हैं कि इन मजदूरों का नेतृत्व शंकर गुहा नियोगी कर रहे थे। लेकिन शंकर गुहा नियोगी की हत्या के बाद मजदूर आंदोलन और तेज हुआ। उस आंदोलन को लेकर लगातार उद्योगपतियों द्वारा मजदूरों की मांगों पर गुमराह किया जा रहा था। इससे आक्रोशित मजदूरों ने 1 जुलाई 1992 की सुबह से रेल पटरी पर बैठ गए। इसके पूर्व कई बैठकों का दौर चला, लेकिन समस्या का समाधान नहीं निकला। और मजदूरों ने अपनी मांगों को पूरा होते तक पटरी पर बैठने का निर्णय लिया। शाम होते-होते कुछ एक ऐसी घटना घटी, जिसके बाद पूरा आंदोलन आक्रामकता और दिशाहीन हो गया। पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। इसके कुछ ही देर बाद पुलिस फायरिंग में 16 मजदूरों की मौत मौके पर हो गई, जबकि एक मजदूर की मौत इलाज के दौरान हुई।

इस गोलीकांड के हुए 30 वर्ष बीत गए, लेकिन आज भी उन परिजनों का जख्म हरा है। आंदोलनकारी मजदूर आज भी अपनी मांग पूरी होने की आस में संगठित हैं। पूरे छत्तीसगढ़ से बसों में भरकर विभिन्न मजदूर संगठनों के लोग शहीदों को श्रद्धांजलि देने घटनास्थल पर पहुंचे। देखा जाए तो इन 30 वर्षों में कुछ भी नहीं बदलाज। इस घटनास्थल से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर भिलाई इस्पात संयंत्र है और आज भी यहां पर मजदूरों का शोषण होता है। इसके लिए आंदोलन भी होते रहे और आंदोलन करने वाले नेताओं पर ठेकेदारों द्वारा कातिलाना हमला तक किया गया। सीटू ठेका यूनियन के महासचिव योगेश सोनी इसके गवाह हैं।

रायपुर पहुंचे राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा

मेरा छत्तीसगढ़ से है गहरा नाता,ईडी की कार्रवाई पर कही बड़ी बात

रायपुर, 01 जुलाई 2022। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा रायपुर पहुंचे हैं. उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि मैं यहां समर्थन जुटाने आया हूं. मैंने अभियान की शुरुआत केरल से की है. केरल में सभी का समर्थन मिला है. चेन्नई में भी गया, वहां से पूर्ण समर्थन है. आज मैं छत्तीसगढ़ में हूं. छत्तीसगढ़ से मेरा बहुत गहरा नाता रहा है. छत्तीसगढ़ में 60 साल पहले मैं बारात लेकर आया था. भिलाई में मेरी शादी हुई थी. प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम भी मौजूद रहे. प्रेसवार्ता में यशवंत सिन्हा ने कहा कि मुझे यह याद नहीं आता कि कभी ये ख्याल भी आया कि राजनीतिक प्रतिद्वन्दी के खिलाफ ईडी का इस्तेमाल किया जाए. ये मेरी समझ के परे बात है कि कोई व्यक्ति इतना नीचे गिरेगा. सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग का नंगा नाच किया जा रहा है.

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रपति का पद बहुत गरिमा का होता है. अच्छा होता कि सब एक राय होकर किसी को एक चुन लिए होते. यह जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है, लेकिन सत्ता पक्ष की ओर से पहल नहीं की गई. विपक्ष की ओर से मुझसे पूछा गया कि क्या आप राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ेंगे. मैंने हां कह दी. इसके बाद सत्ता पक्ष की ओर से भी उम्मदीवार का ऐलान कर दिया गया और इस तरह चुनावी बिसात बिछ गई.

छग से मेरी उम्मीद होगी पूरी

उन्होंने कहा देश में जो वातावरण है वह अच्छा नहीं है. साम्प्रदायिक तनाव की स्थिति बना दी गई है. आज हमें खामोश राष्ट्रपति नहीं चाहिए. वहां पर एक ऐसा राष्ट्रपति जाए, जो अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करेगा. इस चुनाव में मैं इसलिए खड़ा हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि मैं इस दायित्वों का निर्वहन कर सकता हूं. छत्तीसगढ़ से मैं बहुत उम्मीदें लेकर आया हूं, मुझे विश्वास है कि मेरी उम्मीद पूरी होगी.

अपने विवेक का इस्तेमाल करें बीजेपी के साथी

सिन्हा ने कहा कि बीजेपी के पुराने साथियों से भी मैं कहना चाहता हूं कि वो भी अपने विवेक का इस्तेमाल करें और लकीर के फकीर ना बने. मैं आश्वस्त करता हूं कि कोशिश में कोई कमी नहीं आएगी. जो दल विपक्षी दलों की बैठक में थे और सर्व सम्मति से नाम तय किया उन दलों को इधर से उधर नहीं होना चाहिए. तीन दल यदि समर्थन देकर लौट गए तो सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए.

दूसरे की थाली छिनना उचित नहीं

सिन्हा ने कहा जुएं के खेल में आदमी अपना पत्ता देख रहा होता है और दूसरे दांव लगाता है. ये सिर्फ संख्या बल की लड़ाई नहीं है. ये लड़ाई विचार धारा की है. केंद्र में बैठी सरकार हर जगह टकराव की राजनीति कर रही है. सत्ता की भूख बहुत घातक है. महाराष्ट्र का उदाहरण सामने है. अपनी थाली भरी हुई है, लेकिन दूसरे की थाली भी छीन ली जाए, ये उचित नहीं है.

अग्निपथ पर पुनः विचार करे सरकार

उन्होंने कहा कि धारा 124 को खत्म करना चाहिए. अंग्रेजों के जमाने का यह कानून है. मेरी प्राथमिकता संविधान का पालन रहेगी. अग्निपथ योजना उचित नहीं है. अग्निपथ नेशनल सिक्युरिटी नहीं है. ये सेना भी नहीं है. पार्लियामेंट की समिति है. ये प्रस्ताव भेजा जा सकता था. अग्निपथ को लेकर युवा पीढ़ी सड़कों पर उतरी. मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि इस पर पुनः विचार किया जाए.

बीजेपी अब वह पार्टी नहीं रही, जिसका मैं सदस्य था

यशवंत सिन्हा ने कहा कि बीजेपी वह पार्टी नहीं रही, जिसका मैं सदस्य था. बाजपेयी और आडवाणी की बीजेपी नहीं है. बीजेपी में दल के भीतर सहमति बनाई जाती थी और बाद में दल के बाहर सहमति बनाई जाती थी. विपक्षी दलों से राय से राय शुमारी होती थी. आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के समर्थन पर उन्होंने कहा कि आडवाणी को मैंने फोन किया था. उनकी बेटी ने बताया कि बीमारी की डर की वजह से किसी से नहीं मिल रहे. मुरली मनोहर जोशी से मेरी बात नहीं हुई, लेकिन करुंगा.।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)